CNews सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-336
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सफलता अनुभव से आती है और अनुभव हमेशा बुरे अनुभव से आता है।

सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, बुधवार 12 मार्च 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

विधानसभा के बजट सत्र का दूसरा दिन... आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट पेश, मप्र का सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2024-25 में प्रचलित भावों पर 15,03,395 करोड़ रुपए पहुंचा, आज पेश होगा बजट

'रॉकेट' जैसी मप्र की विकास दर

-राज्य की विकास दर 11.05% रही, जो राष्ट्रीय औसत से भी ज्यादा

-प्रति व्यक्ति आय 2024-25 में बढ़कर 1,52,615 रुपए हुई

-2024 तक 4 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी

-2024-25 में प्राथमिक क्षेत्र का जीएसडीपी में 44.36% योगदान रहा। द्वितीयक क्षेत्र का योगदान 19.03% और तृतीयक क्षेत्र का 36.61% रहा

-जीएसडीपी में उद्योग क्षेत्र का हिस्सा 19.36% से घटकर 19.03% हो गया है। कृषि क्षेत्र का योगदान भी 31.10% से घटकर 30.90% रह गया है

भोपाल। मध्यप्रदेश की आर्थिक स्थिति में जबरदस्त सुधार आया है। राज्य की विकास दर 11.05त्न रही, जो राष्ट्रीय औसत से भी ज्यादा है। मोहन यादव सरकार ने मंगलवार को विधानसभा में आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया। वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा पेश आर्थिक सर्वेक्षण में पिछले दो दशकों के सरकारी प्रयासों को इस सफलता का श्रेय दिया गया है। सरकार विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए 'विकसित मध्यप्रदेश' बनाने पर काम कर रही है। सर्वेक्षण के अनुसार, 2024-25 में राज्य का जीडीपी 15,03,305 करोड़ रुपए रहा। यह 2023-24 के 13,53,809 करोड़ रुपए (अनुमानित) से 11.05% ज्यादा है। बीते दो दशकों में मध्य प्रदेश बीमारू राज्य से उबरकर तेजी से विकास करने वाला राज्य बन गया है। इसमें कल्याणकारी योजनाओं का बड़ा योगदान है। प्रति व्यक्ति आय में भी काफी बढ़ोतरी हुई है। 2011-12 में यह 38,497 रुपए थी, जो 2024-25 में बढ़कर 1,52,615 रुपए हो गई। 2024-25 में प्राथमिक क्षेत्र का जीएसडीपी में 44.36% योगदान रहा। द्वितीयक क्षेत्र का योगदान 19.03% और तृतीयक क्षेत्र का 36.61% रहा। इस प्रगति के बावजूद, राज्य की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से कम है। सर्वेक्षण में औद्योगिक निवेश में तेजी का भी जिक्र है। दिसंबर 2024 तक 4 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के प्रस्तावों को मंजूरी मिली है। विधानसभा में प्रस्तुत मध्यप्रदेश आर्थिक सर्वेक्षण वर्ष 2024-25 के अनुसार मध्यप्रदेश का सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2024-25 में स्थिर भावों पर जीएसडीपी 712260 करोड़ रुपए है जो वर्ष 2023-24 में 671636 करोड़ रहा। यह 6.05 प्रतिशत की वास्तविक वृद्धि दिखाता है।

चार लाख नौकरियों की संभावना सर्वेक्षण में औद्योगिक निवेश में तेजी का भी जिक्र है। दिसंबर 2024 तक 4 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के प्रस्तावों को मंजूरी मिली है। वहीं, इनसे 4 लाख नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। पूंजी निवेश और औद्योगिक गतिविधियों से राज्य के विकास को और गति मिलेगी। हालांकि, जीएसडीपी में उद्योग क्षेत्र का हिस्सा 19.36% से घटकर 19.03% हो गया है। कृषि क्षेत्र का योगदान भी 31.10% से घटकर 30.90% रह गया है।

बीमारू राज्य से उबरकर तेजी से विकास दिग्विजय सिंह के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार (1990-2003) के दौरान मध्य प्रदेश को बीमारू राज्य कहा जाता था। तब राज्य की औसत आय राष्ट्रीय औसत के एक तिहाई से भी कम थी। आज, यह राज्य निरंतर शासन और विकास की बदलाव लाने की ताकत का प्रमाण है। यह दशार्ता है कि सही नीतियों और योजनाओं से कैसे पिछड़े राज्य भी तरक्की की राह पर आगे बढ़ सकते हैं।

विकसित मध्यप्रदेश का लक्ष्य मोहन यादव सरकार ने विकसित मध्यप्रदेश का लक्ष्य रखा है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन के अनुरूप है। सरकार का ध्यान सभी क्षेत्रों का संतुलित विकास करने पर है। इसमें कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्र शामिल हैं। साथ ही, सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे पर भी ध्यान दे रही है। इससे राज्य के लोगों का जीवन स्तर सुधरेगा और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। राज्य में बढ़ते औद्योगिक निवेश से रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। इससे युवाओं को अपने ही राज्य में काम करने का मौका मिलेगा। सरकार का लक्ष्य राज्य को निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनाना है। इसके लिए नीतियों को सरल बनाया जा रहा है और बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा रहा है।

कृषि क्षेत्र का योगदान कम हुआ कृषि और उद्योग क्षेत्र के जीएसडीपी में योगदान में मामूली गिरावट चिंता का विषय है। सरकार को इन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। किसानों को आधुनिक तकनीक और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए। उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए नई नीतियां बनानी होंगी। इससे राज्य का संतुलित विकास होगा और सभी वर्गों को इसका लाभ मिलेगा। मध्यप्रदेश के इस बदलाव की कहानी वाकई काबिले तारीफ है। आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार कृषि फसल क्षेत्र का प्राथमिक क्षेत्र के अंतर्गत योगदान वर्ष 2024-25 में 30.90 प्रतिशत रहा लेकिन प्रचलित भाव पर यह 10.8 प्रतिशत बढ़ा जबकि स्थिर भाव में 1.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसी तरह पशुधन क्षेत्र में 7.45 प्रतिशत का योगदान रहा । इसकी वृद्धि स्थिर भाव पर क्रमशः 11.93 प्रतिशत एवं 8.39 प्रतिशत रही।

'ईज ऑफ लिविंग' और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' मध्यप्रदेश सरकार ने 'ईज ऑफ लिविंग' और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा देने के लिए मानकों के सरलीकरण, जनविश्वास बिल, राजस्व महाभियान और पीएम जनमन कार्यक्रम जैसे प्रभावी उपायों को अपनाया है, जिससे सुशासन को और अधिक प्रभावी बनाया गया है। राज्य के प्राकृतिक संसाधनों की समृद्धि, टाइगर एवं चीता रिजर्व, धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरें, और पर्यटन स्थलों ने मध्यप्रदेश को पर्यटन और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में स्थापित किया है। मध्यप्रदेश आर्थिक सर्वेक्षण वर्ष 2024-25 प्रदेश की आर्थिक प्रतिबद्धताओं, विकास योजनाओं और उनके प्रभावी क्रियान्वयन का विश्लेषण प्रस्तुत करता है। यह सर्वेक्षण राज्य की विकास यात्रा को प्रतिबिंबित करता है और यह दर्शाता है कि मध्यप्रदेश सतत और समावेशी आर्थिक विकास के मार्ग पर अग्रसर है। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2025 को उद्योग वर्ष घोषित किया गया है।

व्यावसायिक शिक्षा में 14 ट्रेडस शुरू किए सीएम.राईज स्कूल योजना के तहत 274 स्कूलों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। व्यावसायिक शिक्षा में 14 ट्रेडस शुरू किये गये है। उच्च शिक्षा के अंतर्गत 1346 महाविद्यालय में 10.5 लाख सीट उपलब्ध है। कौशल विकास मिशन के अंतर्गत वर्ष 2024-25 में 3.49 लाख छात्रों को व्यावसयिक शिक्षा का प्रशिक्षण दिया गया है।

वन क्षेत्र 94.69 हजार वर्ग किलोमीटर राज्य अधिसूचित वन क्षेत्र 94.69 हजार वर्ग किलोमीटर तथा वनावरण 77.07 हजार वर्ग कि.मी. क्षेत्रफल के साथ अग्रणी स्थिति पर है। वर्ष 2024 में राज्य का भू-जल संसाधन 35.90 बी.सी.एम. पहुँच गया है। राज्य में वर्ष 2023-24 में खनिज उत्पादन मूल्य पिछले वर्ष की तुलना में 16.71 प्रतिशत अधिक रहा है। माइनिंग कान्क्लेव 2024 में रुपए 19250 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुये है।

जियो ने स्पेसएक्स से मिलाया हाथ... भारत में स्टारलिंक हाई-स्पीड इंटरनेट लाने की तैयारी; जानिए लोगों को क्या फायदे होंगे

मुकेश अंबानी की जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड ने भारत में स्टारलिंक हाई-स्पीड सैटेलाइट इंटरनेट लाने के लिए एलन मस्क की स्पेसएक्स के साथ समझौता किया है। समझौते के बाद भारत के ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों सहित पूरे देश में उपग्रह आधारित ब्रॉडबैंड सेवाएं मिलने लगेंगी। इससे उन दुर्गम इलाकों को भी आसानी से कनेक्ट किया जा सकेगा जहां कनेक्टिविटी पहुंचाना मुश्किल काम है। इससे पहले मंगलवार को एयरटेल ने स्पेसएक्स के साथ ऐसा ही समझौता किया था।

स्टारलिंक दुनिया को हाई-स्पीड इंटरनेट देता है समझौते के बाद स्पेसएक्स और एयरटेल बिजनेस, शैक्षणिक संस्थानों, स्वास्थ्य सेवा केंद्रों और दूरदराज के क्षेत्रों में स्टारलिंक सर्विसेस देने के लिए मिलकर काम करेंगे। एयरटेल के मौजूदा नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर में स्टारलिंक टेक्नोलॉजी इंटीग्रेट करने की संभावनाएं तलाशी जाएंगी।

होली पर नकली मिठाइयां बेचने पर होगा लाइसेंस रद्द

कलेक्टर प्रतिभा पाल ने दिए सख्त निर्देश

होली का रंगों से भरा त्योहार नजदीक आ रहा है। इस अवसर पर मिठाइयों और अन्य खाद्य पदार्थों की खपत में भारी वृद्धि होती है। लेकिन इसके साथ ही बाजार में मिलावटी और नकली खाद्य पदार्थों की उपलब्धता भी बढ़ जाती है, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक हो सकते हैं।

खाद्य विभाग को सख्त निर्देश त्योहारों के मौसम में अधिक मुनाफा कमाने के लालच में कई दुकानदार नकली मावा, मिलावटी मिठाइयां और दूषित खाद्य पदार्थ बेचने लगते हैं। दिवाली के समय खाद्य विभाग ने मिलावटखोरी पर कड़ी कार्रवाई की थी, लेकिन होली के मद्देनजर अब तक ऐसी कोई ठोस कार्रवाई नहीं देखी गई थी। इस लापरवाही को देखते हुए कलेक्टर प्रतिभा पाल ने खाद्य विभाग को सख्त निर्देश जारी किए हैं।

कलेक्टर ने कहा होंगे लाइसेंस रद्द कलेक्टर प्रतिभा पाल ने स्पष्ट रूप से कहा कि खाद्य पदार्थों में मिलावट कर लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वालों पर कोई रियायत नहीं दी जाएगी। उन्होंने खाद्य विभाग को नियमित रूप से बाजार में बिकने वाली मिठाइयों और अन्य खाद्य सामग्रियों के सैंपल इकट्ठा करने और मिलावट पाए जाने पर तुरंत लाइसेंस रद्द करने और दुकानों को सील करने के निर्देश दिए हैं।

कैसे बचें नकली और मिलावटी मिठाइयों से?

मावा और मिठाई खरीदते समय प्रमाणित दुकानों से ही खरीदारी करें।

लाड़ली बहनों को अटल पेंशन से जोड़ेंगे

10 हजार स्टार्टअप और कोचिंग के लिए आंकाक्षा योजना

मध्यप्रदेश की मोहन सरकार का दूसरा बजट बुधवार(12 मार्च) को विधानसभा में पेश हुआ। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने चार लाख करोड़ से अधिक का बजट पेश किया। देवड़ा ने लगातार 7वीं बार MP का बजट पेश किया। वित्त मंत्री ने कहा कि लाड़ली बहना के हितग्राहियों को केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन सुरक्षा योजना और अटल पेंशन योजना से जोड़ा जाएगा।

हम जीरो वेस्ट बजट ला रहे हैं मध्यप्रदेश विधानसभा में वित्त मंत्री देवड़ा का बजट भाषण शुरू हो गया है। देवड़ा ने कहा कि हमारी सरकार का लक्ष्य है विकसित मध्यप्रदेश। इसका अर्थ है कि जनता का जीवन खुशहाल हो। महिलाओं का आत्मगौरव मिले। उन्होंने कहा कि हम जीरो वेस्ट बजट ला रहे हैं।हमने 2025-26 का बजट जीरो वेस्ट बजटिंग प्रक्रिया से तय किया है।

मध्यप्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा सीएम मोहन यादव ने कहा कि ने कहा कि हमने पिछली बार लगभग साढ़े तीन लाख करोड़ का बजट हमने दिया था। इस बार करीब 4 लाख 20 हजार करोड़ का बजट आ रहा है। सभी क्षेत्रों में पर्याप्त धनराशि देने के साथ हमने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास के संकल्प के साथ मध्यप्रदेश को मिलाने का प्रयास किया है। भारत के सभी राज्यों में मध्यप्रदेश सबसे तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मंत्रिमंडल के सदस्य विधानसभा पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा समेत मंत्रिमंडल के सदस्य विधानसभा पहुंच चुके हैं। बजट को लेकर बैठक शुरू हो चुकी है। इसमें मंजूरी के बाद बजट राज्यपाल के पास भेजा जाएगा। इसके बाद विधानसभा में आएगा।

बीजेपी सरकार कर्ज का बजट ला रही नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि बीजेपी सरकार कर्ज का बजट ला रही है। राज्यपाल के अभिभाषण से स्पष्ट है कि प्रदेश के युवाओं के लिए कोई नई नीति नहीं है। किसान आर्थिक रूप से संपन्न कैसे होगा? सरकार कर्ज में डूबी है।

मध्यप्रदेश का बजट जनता को समर्पित वित्त मंत्री देवड़ा ने बजट पेश करने से पहले मीडिया से कहा कि बजट का फोकस ज्ञान यानी युवा, महिला, गरीब और किसान पर है। सभी वर्गों को इस बजट से लाभ मिलेगा। हमने जनता के सुझाव लिए, विशेषज्ञों से भी संवाद किया था। इन्हें इसमें शामिल किया है। मैं विश्वास दिलाना चाहता हूं कि मध्यप्रदेश का बजट जनता को समर्पित बजट होगा।

पत्नी ने तिलक लगाकर किया रवाना वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा पूजा पाठ कर बजट पेश करने के लिए घर से विधानसभा के लिए रवाना हो गए हैं। देवड़ा की पत्नी ने उन्हें तिलक कर घर से विदा किया। अब 11 बजे वित्त मंत्री देवड़ा विधानसभा में बजट पेश करेंगे।

बजट में हो सकती हैं कई घोषणाएं मध्यप्रदेश सरकार के बजट से आम लोगों को बहुत आशाएं हैं। बजट में भोपाल और इंदौर मेट्रोपॉलिटन रीजन का ऐलान हो सकता है। इंदौर, उज्जैन और रीवा में नए आईटी पार्क बनाने की घोषणा हो सकती है। PMAY 2.0 और जनमन योजना में 6 लाख से अधिक मकान का ऐलान हो सकता है। सभी 55 जिलों में खेल स्टेडियम और प्रदेश में 22 नए आईटीआई इंस्टीट्यूट बनाने की घोषणा हो सकती है। अत्याधुनिक बिजली सब स्टेशन बनाने का ऐलान हो सकता है। छोटे शहरों में मल्टी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल पर 20 करोड़ तक की सब्सिडी देने का ऐलान होने की उम्मीद है।

एडमिशन नहीं दे पाएंगे लॉ कॉलेज, करना होगा यह काम; एमपी हाईकोर्ट ने दिए सख्त निर्देश

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने लॉ में एडमिशन से जुड़ी एक याचिका पर सुनवाई करते हुए सख्त आदेश दिए हैं। कोर्ट ने बिना मान्यता के एलएलबी और एलएलएम में प्रवेश देने वाले कॉलेजों और यूनिवर्सिटी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के आदेश दिए हैं। साथ ही बार काउंसिल ऑफ इंडिया को निर्देशित किया है कि ऐसे सभी संस्थानों की सूची पोर्टल पर अपलोड करें, जिनकी मान्यता संबंधी विवाद है। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने यह फैसला जबलपुर के लॉ स्टूडेंट व्योम गर्ग और शिखा पटेल की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। दोनों ने सेंट्रल इंडिया लॉ इंस्टीट्यूट से कानून की पढ़ाई की है, लेकिन

स्टेट बार काउंसिल ऑफ मध्य प्रदेश ने यह कहते हुए उनका रजिस्ट्रेशन अस्वीकार कर दिया कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने उनके संस्थान (सेंट्रल इंडिया लॉ इंस्टीट्यूट) की मान्यता समाप्त कर दी है।

भोपाल कमिश्नर को सौंपी जांच हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस विवेक जैन की डिवीजन बेंच ने छात्रों की इस समस्या पर गंभीरता दिखाते हुए भोपाल पुलिस कमिश्नर को मामले की जांच करने और बार काउंसिल ऑफ इंडिया के पदाधिकारियों को जांच में सहयोग करने के आदेश दिए हैं। हाईकोर्ट ने यह भी कहा, बिना मान्यता एलएलबी और एलएलएम कराने वाले कॉलेजों और विश्वविद्यालयों पर एफआईआर दर्ज कराएं।

हाईकोर्ट ने यह भी कहा ऐसे सभी शैक्षणिक संस्थान और विश्वविद्यालय को अपने पोर्टल पर स्पष्ट रूप से उल्लेख करना होगा कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया से उन्हें मान्यता प्राप्त नहीं है।

बार काउंसिल ऑफ इंडिया ऐसी व्यवस्था बनाए कि कोई लॉ कॉलेज और यूनिवर्सिटी छात्रों के करियर से खिलवाड़ न कर सके।विधि विश्वविद्यालय और विधि महाविद्यालय अपने पोर्टल को हर साल मार्च में अपडेट करें। ताकि, कोई छात्र गुमराह न हो।

सिंहस्थ के लिए इस साल होंगे 6000 करोड़ के काम, इंदौर-उज्जैन की कनेक्टिविटी पर फोकस

इंदौर। तीन साल बाद उज्जैन में लगने वाले सिंहस्थ मेले के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। 19 से ज्यादा विभागों को अलग-अलग निमार्णों की जिम्मेदारी दी गई है। इस साल छह हजार करोड़ के काम होना है। पिछले साल प्रदेश सरकार ने बजट में सिंहस्थ मद में रखे 500 करोड़ रुपये इन कामों के लिए आवंटित किए हैं। अब उज्जैन में युद्ध स्तर पर काम होंगे, क्योकि तीन साल में निमार्णाधीन प्रोजेक्टों को पूरा भी करना है। सरकार का फोकस उज्जैन की कनेक्टिविटी और शिप्रा नदी के शुद्धिकरण पर है। अफसरों का अनुमान है कि सिंहस्थ मेले में पंद्रह करोड़ के करीब श्रद्धालु आ सकते हैं, उसके हिसाब से ही घाटों के विस्तार और मेला क्षेत्र के दायरे के प्रोजेक्ट डिजाइन किए गए हैं। इस बार सिंहस्थ में मेला क्षेत्र का दायरा भी बढ़ाया है। मेला क्षेत्र में अस्थाई के बजाए स्थाई निर्माण किया जाएगा। अब सिंहस्थ मेला 3360.6 हेक्टेयर क्षेत्र का रहेगा। विकास योजना में सिंहस्थ मेला क्षेत्र के लिए 2344.11 हेक्टेयर क्षेत्र शामिल किया जाएगा। मेला क्षेत्र में स्थाई निर्माणों के काम उज्जैन विकास प्राधिकरण करेगा और इसके लिए लैंड पुलिंग योजना के तहत जमीनें ली जाएगी। जलापूर्ति, सीवरेज लाइन के अलावा शौचालय, उद्यान भी बनाए जाएंगे। मेला क्षेत्र के अखाड़ों आश्रमों में भी सुविधाएं बढ़ाई जाएगी। पिछले बजट में आवंटित 505 करोड़ रुपये से ज्यादा के काम उज्जैन में हो चुके हैं।

इंदौर-उज्जैन सिक्सलेन का निर्माण शुरू उज्जैन के सिंहस्थ मेले में सबसे ज्यादा लोग इंदौर होकर जाएंगे। ट्रैफिक जाम की स्थिति न बने, इसके लिए इंदौर उज्जैन रोड़ को सिक्स लेन किया जा रहा है। इसका काम शुरू हो चुका है। इस प्रोजेक्ट पर 2312 करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं। फिलहाल इंदौर से उज्जैन के बीच ब्रिजों का चौड़ीकरण किया जा रहा है। दस से अधिक पुल-पुलिया के अलावा तीन बड़े ब्रिज भी बनेंगे। इसके अलावा इंदौर के हातोद क्षेत्र से चंद्रवतीगंज, अजनोद होते हुए उज्जैन तक दो लेन सड़क बनेगी। यह सड़क उज्जैन के चिंतामण गणेश मंदिर वाले इलाके से जुड़ेगी। देवास-उज्जैन रोड़ को भी फोरलेन किया जा चुका है। इंदौर से उज्जैन तक स्पीड ट्रेन भी चलाई जाएगी। इंदौर से उज्जैन के बीच मेट्रो ट्रेन चलाने की घोषणा भी पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने की थी।लेकिन, सिंहस्थ से पहले इस प्रोजेक्ट का जमीन पर संभव नहीं लग रहा है, क्योकि छह लेन सड़क का निर्माण भी उसी रुट पर हो रहा है। वहीं, उज्जैन के आंतरिक मार्ग और आउटर रिंग रोड पर नए ब्रिज बनाए जा रहे हैं।

कान्ह नदी होगी बाइपास सिंहस्थ मेले के दौरान लोग शिप्रा नदी में डूबकी लगाते हैं। शिप्रा नदी को इंदौर से आने वाली कान्ह नदी दूषित करती है। पिछले सिंहस्थ मेले में नर्मदा-शिप्रा लिंक परियोजना के तहत शिप्रा को प्रवाहमान बनाया गया था। इस बार कान्ह नदी का पानी शिप्रा नदी में जाने से रोकने के लिए 30 किलोमीटर तक कान्ह नदी को बाइपास किया जाएगा। इसके लिए छह किलोमीटर लंबाई में सुरंग बनाई जा रही है। इसके अलावा खुली डक्ट भी रहेगी। सेवरखेड़ी से सिलारखेड़ी तक पूरी नदी के पानी को बाइपास कर गंभीर नदी में छोड़ा जाएगा। इस प्रोजेक्ट का भूमिपूजन मुख्यमंत्री मोहन यादव ने 13 जनवरी को किया है। इसका काम भी शुरू हो चुका है। सिंहस्थ से पहले यह योजना पूरी हो जाएगी।

15 करोड़ से ज्यादा लोग पहुंचेंगे सिंहस्थ में

- इस साल छह हजार करोड़ रुपए इन्फ्रास्ट्रक्चर पर खर्च होंगे
- 15 करोड़ से ज्यादा लोगों के सिंहस्थ मेले में आने का अनुमान
- 2300 करोड़ सड़कों के निर्माण पर खर्च होंगे, ट्रैफिक व्यवस्था सुधारी जाएगी
- पिछले बजट में 505 करोड़ आवंटित किए गए थे, इससे सिंहस्थ के काम शुरू हुए
- सिंहस्थ मेला क्षेत्र 3361.6 हेक्टेयर में फैलेगा
- बिजली पानी सड़क का उज्जैन विकास प्राधिकरण करेगा
- 2344.11 हेक्टेयर में स्थाई निर्माण कार्य किए जाएंगे
- लैंड पुलिंग योजना के तहत भूमि लेकर निर्माण कार्य होंगे
- रेलवे के लिए कामों के लिए स्पेशल सेल बनाई गई है, रेलवे क्रासिंग पर ब्रिज बनाया गया है

स्टूडेंट्स की दिक्कतों के हल के लिए एप लॉन्च करने जा रही देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी

इंदौर। देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी पहली बार स्टूडेंट्स से जुड़ी समस्याओं व शिकायतों के समाधान के लिए इस माह एक नया एप लॉन्च करने जा रही है। इस एप के माध्यम से यूनिवर्सिटी के यूटीडी के 13 हजार छात्र और संबद्धता प्राप्त ढाई सौ कॉलेजों के ढाई लाख से अधिक छात्र अपनी समस्याएं और शिकायतें दर्ज कर सकेंगे। एप के माध्यम से छात्र अपनी परीक्षाओं, परिणाम, डिग्री, माइग्रेशन, फीस, पीएचडी और अन्य संबंधित समस्याओं के बारे में शिकायत दर्ज करवा सकेंगे। छात्रों की शिकायत का समाधान कहां तक पहुंचा, समाधान के लिए कितना समय लगेगा, और यदि इसमें कोई बाधा आ रही है तो उसकी जानकारी भी एप पर अपडेट होती रहेगी।

आसानी से दर्ज होगी शिकायत विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद ने इस एप को लॉन्च करने का निर्णय लिया था और अब यूनिवर्सिटी ने एप लॉन्च करने की पूरी तैयारी कर ली है। एप के तकनीकी कार्य पूरे हो चुके हैं। यूनिवर्सिटी ने यह भी सुनिश्चित किया है कि छात्रों के लिए शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया आसान हो और उन्हें अपनी शिकायत के समाधान से जुड़ी हर अपडेट समय पर मिलती रहे।

पारदर्शिता बनाए रखने का प्रयास शिकायतों के निपटारे के लिए विश्वविद्यालय हर शिकायत के लिए एक निश्चित समय-सीमा तय करेगी। सामान्य शिकायतों के लिए 24 घंटे से 7 दिन तक का समय निर्धारित किया गया है, जबकि विशेष मामलों में अधिकतम 30 दिन का समय दिया जाएगा। परीक्षा नियंत्रक प्रो. अशेष तिवारी ने बताया कि एप इसी माह लॉन्च किया जाएगा। एप पर छात्र अपनी शिकायत प्रमाण के साथ दर्ज करवा पाएंगे ताकि समाधान प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे।

इस एप के माध्यम से निम्नलिखित प्रकार की शिकायतें दर्ज की जा सकेंगी-

- परीक्षा के प्रश्नपत्र में गड़बड़ी
- सिलेबस से बाहर के प्रश्न
- कम उपस्थिति (शॉर्ट अटेंडेंस)
- परीक्षा फॉर्म भरने में तकनीकी दिक्कत
- परीक्षा केंद्र आवंटन में समस्या

रोज 400 शिकायतें आ रही हैं इसके अलावा, परीक्षा परिणाम घोषित न होने, परिणाम रोकने, परिणाम में तकनीकी गलती, समय पर मार्कशीट न मिलने जैसी समस्याएं भी एप के माध्यम से दर्ज की जा सकेंगी। डिग्री, माइग्रेशन, डुप्लीकेट मार्कशीट या अन्य प्रमाण-पत्र प्राप्त करने में होने वाली देरी जैसी समस्याओं के समाधान के लिए भी छात्र एप के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज करवा सकेंगे। फिलहाल, रोज 400 से ज्यादा छात्र अपनी शिकायतों को लेकर यूनिवर्सिटी पहुंचते हैं। हर दिन परीक्षा नियंत्रक दो घंटे के लिए इन छात्रों की शिकायतें सुनते हैं। इसके अतिरिक्त, हर मंगलवार को जनसुनवाई का आयोजन भी किया जाता है, जहां छात्रों की समस्याओं को सुनकर समाधान किया जाता है। इसके अलावा, एक असिस्टेंट रजिस्ट्रार विष्णु मिश्रा भी छात्रों की समस्याओं को सुनते हैं और उनके समाधान में मदद करते हैं।

आमिर खान ने छुए इंदौर के पहलवान कृपाशंकर पटेल पैर

इंदौर। इंदौर के पहलवान कृपाशंकर पटेल ने फिल्म दंगल के लिए अभिनेता आमिर खान को कुश्ती के दांव-पेच सिखाए थे। तब से आमिर उन्हें अपना गुरु मानते है। रेलवे द्वारा आयोजित कुश्ती प्रतियोगिता के लिए पटेल आमिर को आमंत्रित करने के लिए सोमवार को मुबंई गए थे। जब उन्होंने पटेल को देखा तो वे पैर पड़ने लगे। पटेल ने उनके दोनो हाथ पकड़े और पैर पड़ने से रोका, लेकिन आमिर नहीं माने और पटेल के पैर छू लिए। उन्होंने कहा क आप मेरे गुरू हो। आपसे मिलकर मुझे एनर्जी मिलती है। पटेल के साथ कुछ पहलवान व अन्य लोग थे। आमिर सभी से गर्मजोशी से मिले और फिल्म दंगल की शूटिंग के दिनों के किस्से भी सभी से साझा किए। पटेल आमिर के घर करीब दो घंटे तक रुके और कुश्ती से जुड़ी बातें व किस्से एक दूसरे को सुनाए। पटेल ने आमिर को बताया कि मुझे वर्ष 2000 में अर्जुन अवार्ड मिला था। अवार्ड लेकर मैं दिल्ली से ट्रेन में इंदौर लौट रहा था। जिस डिब्बे में मैं बैठा था। मेरे सामने एक यात्री अखबार पढ़ रहे रहे थे। उन्होंने अर्जुन अवार्ड की खबर पढ़ी और पास में बैठे अपने परिचितों से कहा कि इंदौर के पहलवान को अर्जुन अवार्ड मिला, लेकिन वे मुझे पहचान नहीं पाए। जब एक स्टेशन पर मेरा स्वागत हुआ तो वे आश्चर्य में थे। पटेल ने आमिर को बताया कि महिला दिवस के उपलक्ष्य में इंदौर में महिला पहलवानों की स्पर्धा कराई गई थी। यह सुनकर आमिर काफी खुश हुए। इसके बाद पटेल ने स्पर्धा के आयोजक पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय से उनकी बात भी कराई।

महू में तनाव के बाद इंदौर के संवेदनशील इलाकों की हुई पहचान, बदमाशों को रेड नोटिस दिए

इंदौर। इंदौर में आगामी 14 मार्च को होली और 19 मार्च को रंग पंचमी का पर्व परंपरागत रूप से हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस दिन शहर के निर्धारित मार्गों से रंगारंग गेर भी निकाली जाएगी। पूरा शहर रंगों से सराबोर रहेगा। गेर में हुड़दंग करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। गेर की व्यवस्थाओं को जिला प्रशासन, पुलिस और आयोजकों के संयुक्त प्रयासों से और अधिक बेहतर बनाया जाएगा।बैठक में पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह ने कहा कि संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। व्यवस्थाओं को देखते हुए सभी स्वागत मंच रोड के एक ही तरफ लगवाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि गेर में किसी भी तरह की हुड़दंग करने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा। हथियार सहित पकड़े जाने पर संबंधित असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। गेर के दौरान सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध रहेंगे। सीसीटीवी और वीडियो कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी रखी जाएगी।

उधर, इंदौर के परदेशीपुरा थाने में पुलिस ने बदमाशों को रेड नोटिस दिए हैं। आगामी त्योहारों को देखते हुए पुलिस अलर्ट मोड में है और अपराधियों पर नजर बनाए हुए है।

क्षेत्र के बदमाशों को थाने में बुलाया गया और उनके हाथों में रेड नोटिस थमा दिया गया। टीआई आर.डी. कानवा ने सभी को थाने के बाहर खड़ा कर सख्त चेतावनी दी कि वे त्योहार के दौरान अपने घरों में ही रहें और किसी भी आपराधिक गतिविधि में संलिप्त न हों। यदि कोई अपराध किया गया, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दो या अधिक केस दर्ज होने पर नोटिस

टीआई आरडी कानवा ने बताया कि जिन अपराधियों पर दो या अधिक केस दर्ज हैं, उन्हें रेड नोटिस देकर सूचित किया गया है। यदि वे किसी भी आपराधिक गतिविधि में संलिप्त पाए गए, तो बाउंड ओवर उल्लंघन की कार्रवाई की जाएगी। अब तक 20 से अधिक बदमाशों को रेड नोटिस दिए जा चुके हैं और 100 से अधिक बदमाशों का बाउंड ओवर कराया गया हैं। थाना क्षेत्र में कुल 137 बदमाशों की लिस्ट बनाई गई है, जिन पर पुलिस नजर रखे हुए है। पुलिस का स्पष्ट निर्देश है कि सभी बदमाश त्योहार शांति से अपने घरों में मनाएं और किसी भी अवैध गतिविधि से दूर रहें। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी करने पर सख्त कानूनी कार्रवाई होगी।

इंदौर बार एसोसिएशन के चुनाव 15 अप्रैल को

इंदौर। इंदौर बार एसोसिएशन के चुनाव 15 अप्रैल को होंगे। इसके लिए चुनाव संचालन कमेटी ने शेड्यूल जारी कर दिया है। 15 अप्रैल को मतदान होगा और इसी दिन काउंटिंग के बाद नतीजे घोषित किए जाएंगे। चुनाव कमेटी ने बैठक के बाद नामांकन प्रक्रिया सहित सभी चरणों का कार्यक्रम जारी कर दिया है। मुख्य चुनाव अधिकारी विवेक बापना और सहायक अधिकारी महेंद्र मौर्य ने बताया कि प्रत्याशी 2 से 4 अप्रैल तक नामांकन फॉर्म ले सकेंगे। 5, 7 और 8 अप्रैल को नामांकन फॉर्म जमा किए जाएंगे, जबकि 9 अप्रैल को नामांकन पत्रों की जांच होगी। इस चुनाव में 4,000 से ज्यादा मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। अध्यक्ष और सचिव पद के लिए कड़ा मुकाबला होने की संभावना है। चार से पांच वकील इस पद के लिए दावेदारी कर रहे हैं, जो जल्द ही अपने नामांकन दाखिल करेंगे। 11 अप्रैल को प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी की जाएगी और 12 अप्रैल को नाम वापसी की अंतिम तिथि होगी। मतदान 15 अप्रैल को सुबह 11 बजे से शाम 4:30 बजे तक होगा, और देर रात नतीजे घोषित कर दिए जाएंगे।

पुलिस ने एमडी ड्रग्स के साथ युवक को पकड़ा

इंदौर। क्राइम ब्रांच की टीम ने एमडी ड्रग्स के साथ एक युवक को पकड़ा है। टीम को प्रथम वाहिनी पेट्रोल पंप के पास सुलभ कॉम्प्लेक्स के सामने बाइक सवार युवक की गतिविधि संदिग्ध लगी। टीम ने बाइक सवार को पकड़ने का प्रयास किया, तो वह भागने लगा। उसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। युवक ने अपना नाम मोहम्मद लियाकत, निवासी खजराना बताया। तलाशी में उसके पास से 14.68 ग्राम एमडी ड्रग्स मिली। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह राजबाड़े पर जूते-चप्पल की दुकान लगाता है और ड्रग्स का नशा करने का आदी है। नशे की लत पूरी करने के लिए ड्रग्स बेचने का काम भी करता है। डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश कुमार त्रिपाठी के मुताबिक आरोपी को पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पूछताछ की जा रही है कि वह किन-किन लोगों को ड्रग्स की सप्लाई करता था और ये ड्रग्स कहां से लाता था। आरोपी के पास से ड्रग्स सहित एक बाइक, मोबाइल फोन जब्त किया है। जब्त ड्रग्स की कीमत डेढ़ लाख रुपए बताई जा रही है।

वहीं क्राइम ब्रांच ने चिमनबाग के खाली मैदान पर बाइक सवार राजिक खान निवासी जूना रिसाला को पकड़ा। उसके पास से 11 ग्राम एमडी ड्रग्स, बाइक व अन्य सामान जब्त किया। उससे पूछताछ में की तो उसने अपने साथी वाजिद अंसारी निवासी आजाद नगर और सद्दाम शेख निवासी आजाद नगर के माध्यम से ड्रग्स मिलना बताया। इस पर दोनों आरोपियों को मुखबिर और तकनीकी जानकारी के आधार पर पकड़ा और उनके पास से 13.90 ग्राम ड्रग्स भी बरामद की। आरोपियों से ओर भी जानकारी निकाली जा रही है।

एमवाय अस्पताल में लगी 10 नई डायलिसिस मशीनें

इंदौर। एमवाय अस्पताल में मरीजों को बड़ी सुविधा मिल गई है। अस्पताल की पांचवीं मंजिल पर 10 नई डायलिसिस मशीनों का लोकार्पण किया गया। इन मशीनों को रोटरी क्लब इंदिरा नगर बेंगलुरू और पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस की मदद से लगाया गया है।अस्पताल के सुपरिटेंडेंट डॉ. अशोक यादव ने बताया कि पहले से मौजूद 8 मशीनों के साथ अब कुल 18 डायलिसिस मशीनें हो गई हैं। सभी मशीनें चालू हालत में हैं और मरीजों का डायलिसिस निःशुल्क किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में इंदौर मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया, पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस के रीजनल बिजनेस हेड पंकज श्रीवास्तव और रोटरी क्लब इंदिरा नगर बेंगलुरू की डायरेक्टर सुप्रिया कंधातरी मौजूद थे। डॉ. घनघोरिया ने कहा कि मेडिकल कॉलेज और एमवाय अस्पताल का पहला लक्ष्य मरीजों की सेवा करना है। उन्होंने गरीब मरीजों को सस्ता और बेहतर इलाज देने की प्रतिबद्धता जताई। कार्यक्रम में डॉ. जमरा, डॉ. धर्मेंद्र झंवर, डॉ. जे.के. वर्मा, रोटरी क्लब इंदिरा नगर के पूर्व प्रेसिडेंट पीयूष जैन, पीएनबी बैंक फाइनेंस के मिस्टर सूद, डॉ. नीला नहर और अस्पताल के कर्मचारी भी उपस्थित थे।

आयकर विभाग ने व्यापारियों से की खुली चर्चा

इंदौर। इंदौर के सियागंज स्थित होलसेल किराना मर्चेंट एसोसिएशन के सभागृह में आयकर विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आयकर विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जॉइंट कमिश्नर इनकम टैक्स (जोन 4, इंदौर) संजीव भगत ने कार्यक्रम में मुख्य संबोधन दिया। उन्होंने व्यापारियों को मार्च महीने में बैंक की छुट्टियों को ध्यान में रखते हुए समय पर टैक्स रिटर्न भरने की सलाह दी। उन्होंने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि टैक्स संबंधी किसी भी समस्या के लिए वे और उनके अधिकारी हमेशा उपलब्ध रहेंगे।कार्यक्रम में डिप्टी कमिश्नर ऋषि कुमार, टैक्स अधिकारी संजीव कुमार, वीरेंद्र कुमार, यतीश काले, रविंद्र कुमार और विक्रांत कुमार विशेष रूप से उपस्थित थे। अहिल्या चैंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से महामंत्री गोपाल दास अग्रवाल, नरेंद्र बाफना और राजेश बाहेती ने प्रतिनिधित्व किया। सियागंज संगठन का प्रतिनिधित्व उपाध्यक्ष किशोर वरलानी, वासुदेव चेलानी, रजत बेड़िया, अमित राठौर, कमल छेत्री और रोहित किंग रानी ने किया। अशोक पिंकी, प्रदीप शेट्टी और गुड्डू ने कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की। स्वागत भाषण महामंत्री प्रितपाल टंगी ने दिया। कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष नईम पालवाला ने किया। सचिन रजत बेढ़िया ने आभार व्यक्त किया।

सेंट्रल जेल में मना भगोरिया-फाग उत्सव

इंदौर। इंदौर सेंट्रल जेल में मंगलवार को भगोरिया और फाग उत्सव मनाया गया। भगोरिया पर्व का आयोजन उन कैदियों के लिए किया गया जो ट्राइबल एरिया से आते हैं। सेंट्रल जेल अधीक्षक अलका सोनकर ने बताया कि सेंट्रल जेल में भगोरिया और फाग उत्सव का आयोजन किया गया। हमारे यहां कई बंदी है जो ट्राइबल क्षेत्र के हैं। भगोरिया उनका प्रमुख त्योहार है और वे अपने घर नहीं जा पाए हैं, तो आज उनके लिए भगोरिया का आयोजन किया। साथ ही फाग उत्सव भी यहां मनाया गया। हमने बंदियों को फाग उत्सव की खुशी भी देने का प्रयास किया है। उन्होंने बताया कि सेंट्रल जेल में ही बने कलर का इस्तेमाल फाग उत्सव में किया गया है। जेल में कलाकारों द्वारा भगोरिया की प्रस्तुति भी दी गई। इसके साथ ही कैदियों द्वारा बड़े ढोल भी बजाए गए।जेल परिसर में कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक आयोजन पर नृत्य की प्रस्तुतियां दी। इस दौरान बंदियों द्वारा इस आयोजन का आनंद लिया गया। इधर, जेल अधीक्षक ने भी बंदी भाईयों को रंग लगाया और फाग उत्सव की शुभकामनाएं दी।

रंगभरी एकादशी पर विद्याधाम में151 किलो फूलों से मनाया गया फाग उत्सव

इंदौर। इंदौर विमानतल मार्ग स्थित श्री श्रीविद्याधाम में सोमवार को रंगभरी एकादशी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के सानिध्य में मां अंजनि मातृशक्ति मंडली ने रंगारंग फाग महोत्सव का आयोजन किया। स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती ने कहा कि फाग का त्योहार उत्साह और उमंग को बढ़ाता है। उन्होंने बताया कि राधा-कृष्ण भी फाग महोत्सव में नृत्य करके प्रसन्न होते हैं। उनकी प्रसन्नता को प्राप्त करना हमारा मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। कार्यक्रम में कीर्ति शर्मा, सीमा अग्रवाल, सरस्वती शर्मा, तृप्ति पाराशर और सविता सोनी सहित सैकड़ों बहनों ने भाग लिया। सभी ने मां पराम्बा के साथ गुलाल और 151 किलो फूलों से फाग का आनंद लिया। राधा-कृष्ण की वेशभूषा में सजी सखियों ने मनमोहक भजन प्रस्तुत किए। लगभग तीन घंटे तक चले इस महोत्सव में सभी बहनों ने नाचते-गाते हुए पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मयूर नृत्य की भी प्रस्तुति दी गई। सभी का उत्साह पूरे कार्यक्रम के दौरान बना रहा।

मप्र के सरकारी स्कूलों में कक्षा 9 में ड्रॉप-आउट दर को कम करने ब्रिज कोर्स का हो रहा संचालन

अप्रैल माह में होगा बेस लाइन टेस्ट

भोपाल, । प्रदेश में सरकारी स्कूलों में कक्षा 9वीं में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों में अध्ययन के स्तर और दक्षता को सुधारने के लिये स्कूल शिक्षा विभाग ब्रिज कोर्स का संचालन कर रहा है। इसके लिये हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित विषय के 9 हजार 312 रिसोर्सपर्सन तैयार किये गये हैं। इनका प्रशिक्षण भोपाल के वाल्मी संस्थान में फरवरी माह में कराया जा चुका है। जनसंपर्क अधिकारी मुकेश मोदी ने मंगलवार को बताया कि प्रदेश में 4 हजार 200 हाई स्कूल और 4 हजार 100 हायर सेकेण्डरी सरकारी स्कूल हैं। अब इन स्कूलों में हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित के एक-एक शिक्षक को प्रशिक्षण देने की व्यवस्था मार्च माह से शुरू कर दी गई है। प्रदेश में लगभग 27 हजार शिक्षकों को ब्रिज कोर्स का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ब्रिज कोर्स के माध्यम से सरकारी स्कूलों को ड्रॉप-आउट दर को कम करने में मदद मिलेगी।

ब्रिज कोर्स प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षक अप्रैल माह में और 16 जून से 20 जुलाई तक ब्रिज कोर्स का संचालन करेंगे। ब्रिज कोर्स का संचालन सभी सरकारी हाई और हायर सेकण्डरी स्कूलों में होगा। इसके साथ ही इन 3 विषयों के अलावा विज्ञान एवं संस्कृत विषय की पढ़ाई भी इन बच्चों को कराई जायेगी। लोक शिक्षण संचालनालय ने स्कूल में लगने वाली ब्रिज कोर्स की समय-सारणी भी तैयार की है।

बेसलाइन टेस्ट ब्रिज कोर्स के दौरान ही 5 और 12 अप्रैल को इन विद्यार्थियों का बेस लाइन टेस्ट अंग्रेजी, गणित और हिन्दी में लिया जायेगा। बेस लाइन टेस्ट पेपर 31 मार्च को स्कूल शिक्षा विभाग के विमर्श पोर्टल पर अपलोड कर दिये जायेंगे। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दे दिये गये हैं। तय तिथियों में जो विद्यार्थी किन्ही वजह से टेस्ट नहीं दे पायेंगे, उनके लिये अलग व्यवस्था की गई है। बेस लाइन टेस्ट की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन संबंधित शिक्षकों द्वारा उसी दिन किये जाने की व्यवस्था की गई है। बेस लाइन टेस्ट में कम दक्षता वाले विद्यार्थियों के लिये अंग्रेजी, हिन्दी और गणित विषय के ब्रिज कोर्स की व्यवस्था की गई है।

एंडलाइन टेस्ट सरकारी हाई और हायर सेकेण्डरी स्कूलों में ब्रिज कोर्स की समाप्ति पर 20 जुलाई के बाद विद्यार्थियों की गुणवत्ता जांचने के लिये एंडलाइन टेस्ट की भी व्यवस्था की जा रही है। यह टेस्ट 21 से 25 जुलाई के बीच होगा। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने सभी सरकारी स्कूलों को निर्देश दिये हैं। ब्रिज कोर्स की मॉनिटरिंग के लिये 3 स्तर पर राय, संभाग और जिला स्तर के अधिकारियों द्वारा नियमित मॉनिटरिंग की जायेगी। जिला शिक्षा अधिकारी को प्रति माह कम से कम 10 विद्यालयों में मॉनिटरिंग किये जाने के लिये कहा गया है। उनके इस कार्य में जिला परियोजना समन्वयक और विकासखंड शिक्षा अधिकारी मदद करेंगे।

जिला स्तर पर होगा मूल्यांकन ब्रिज कोर्स संचालन के दौरान जिला स्तर के अधिकारी रेन्डमली कम से कम 10 प्रतिशत विद्यार्थियों की उत्तर पुस्तिकाएं जिला स्तर पर बुलाकर पुनः मूल्यांकन करेंगे। इन बच्चों की दक्षता सुधार के लिये लोक शिक्षा संचालनालय स्तर पर वर्ष भर सतत् प्रयास किये जायेंगे।

पूर्व विधायक और वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेन्द्र नाथ सिंह का निधन, मुख्यमंत्री समेत वरिष्ठ नेताओं ने जताया शोक

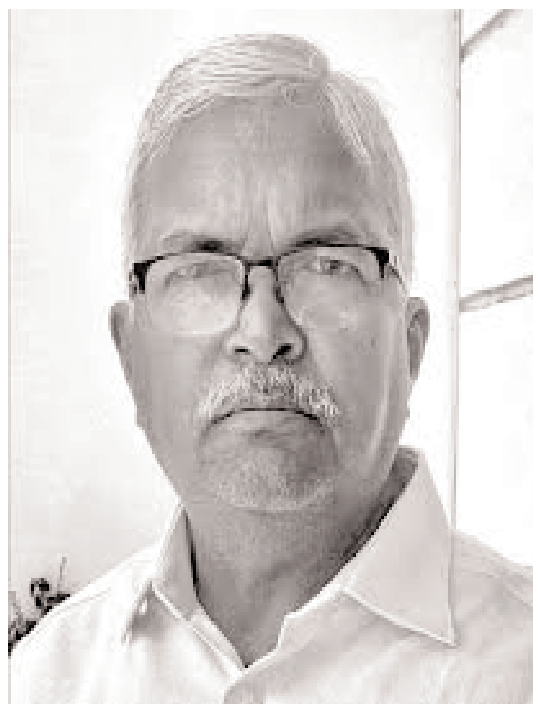

भोपाल। मध्य प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक सुरेंद्र नाथ सिंह (मम्मा) का मंगलवार सुबह निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार थे और उनका इलाज चल रहा था। 62 वर्षीय सुरेंद्र नाथ सिंह ने मंगलवार तड़के सुबह 4 बजे अंतिम सांस ली। उनके निधन से मध्य प्रदेश भाजपा में शोक की लहर है।भोपाल में 'मम्मा' के नाम से मशहूर सुरेंद्र नाथ सिंह मध्य विधानसभा सीट से विधायक रह चुके थे। इसके अलावा, वह भोपाल विकास प्राधिकरण (बीडीए) के अध्यक्ष भी रहे। भोपाल में वह बीजेपी के सीनियर नेता थे, सुरेंद्र नाथ सिंह बीजेपी जिला अध्यक्ष और बीडीए के अध्यक्ष भी रह चुके थे। पिछले लंबे समय से बीमार चल रहे थे, उनके परिजनों ने बताया कि पिछले दिनों उनकी हार्ट सर्जरी भी हुई थी, लेकिन उनके स्वास्थ्य में यादा सुधार नहीं दिखा था। वह भोपाल के अस्पताल में भर्ती हुए थे। सुरेंद्र नाथ सिंह भाजपा के एक समर्पित कार्यकर्ता थे और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से भी गहरे जुड़े हुए थे। सुरेंद्र नाथ सिंह बीजेपी के प्रमुख नेताओं में शामिल थे और संगठन में उनकी अहम भूमिका रही। उनके निधन पर बीजेपी संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं और समर्थकों में शोक की लहर है। उनके निधन को पार्टी ने अपूरणीय क्षति बताया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शोक जताया मुख्यमंत्री डॉ यादव ने पूर्व विधायक के निधन पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने अपने शोक संदेश में कहा भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, भोपाल के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक सुरेन्द्रनाथ सिंह के असमय निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। दुःख की इस घड़ी में हम सबकी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। आपका संपूर्ण जीवन कमजोर वर्ग के कल्याण के लिए समर्पित रहा। आपका जाना भाजपा परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। परमपिता परमात्मा से दिवंगत की पुण्यात्मा की शांति एवं परिजनों को यह गहन दुःख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना करता हूँ।

केन्द्रीय मंत्री शिवराज ने जताया दुख केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सुरेन्द्र नाथ सिंह के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए अपने शोक संदेश में कहा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में साथी रहे, भोपाल के पूर्व विधायक, मेरे प्रिय मित्र और भाई सुरेंद्रनाथ सिंह मम्मा नहीं रहे। मम्मा भारतीय जनता पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ता रहे हैं। उनके निधन का समाचार सुनकर दुःखी एवं स्तब्ध हूं। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवारजनों के साथ हैं। ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और शोकाकुल परिजनों को यह गहन दुःख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना करता हूं।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने जताया शोक भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने भी पूर्व विधायक के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने अपने संदेश में कहा भोपाल नगर के पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष, पूर्व विधायक एवं बीडीए के पूर्व अध्यक्ष सुरेन्द्रनाथ सिंह के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को श्रीचरणों में स्थान दें एवं शोकमय परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

कांग्रेस विधायक प्लास्टिक के सांप लेकर पहुंचे विधानसभा कहा- नौकरियों पर कुंडली मारकर बैठी है सरकार

भोपाल । मध्यल प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को कांग्रेस विधायक प्लास्टिक के सांप लेकर सदन पहुंचे। इस दौरान गांधी प्रतिमा के सामने बेरोजगारी को लेकर प्रदर्शन किया। कांग्रेस विधायकों ने कहा कि बीजेपी सरकार नौकरियों पर सांप की तरह कुंडली मारकर बैठी है और युवा परेशान हो रहे हैं। हरदा विधायक आरके दोगने ने टोकरी में सांप लेकर आने का कारण बताया। उन्होंने कहा कि सरकार सांप की तरह नौकरियों पर कुंडली मारकर बैठी है। लाखों पद खाली हैं। युवा परेशान हो रहे हैं लेकिन सरकार उन्हें रोजगार नहीं दे रही है। इस दौरान केवलारी विधायक रजनीश सिंह ने भी गेहूं की बालियां लेकर प्रदर्शन किया। वे बालियों के साथ ही सदन के भीतर जाना चाहते थे। लेकिन मार्शल ने उन्हें रोक लिया। इस पर विधायक उनसे बहस करने लगे। उन्होंने कहा कि केवलारी विधानसभा के किसानों को पानी नहीं मिला है जबकि संजय सरोवर में पर्याप्त पानी है। मांग-धरना, आंदोलन के बावजूद पानी नहीं दिया जा रहा है। किसानों की पूरी फसल खराब हो गई है। बालियों में दाना नहीं भरा है। मैं स्पीकर को ये सूखी बालियां भेंट करना चाहता हूं। किसानों की वेदना दिखाना चाहता हूं।

कांग्रेस सांप पकड़ने का प्रशिक्षण ले रही बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने कांग्रेस विधायकों के लाए गए प्लास्टिक के सांप लेकर तंज कसा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सांप पकड़ने का प्रशिक्षण ले रही है। क्योंकि कांग्रेस में कई आस्तीन के सांप हो गए हैं। जीतू पटवारी उमंग सिंघार को डस रहे हैं। सिंघार दिग्विजय सिंह को डस रहे हैं। दिग्विजय कमलनाथ को डस रहे हैं। हमारी तरफ से उनको इसके लिए बधाई और शुभकामनाएं। उन्होंतने कहा कि उनकी किस्मत कितनी खराब है। खुद का बनाया मंच ही टूट गया। खुद घायल हो गए। जिसकी किस्मत खराब हो, उसका न मौसम साथ देता है न जनता।

राजनीतिक हो-हल्ला ठीक नहीं, टेबल पर बैठकर बात करें ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि आरोप लगाना बहुत आसान है। संबंधित विधायक कुछ कहना चाहते हैं तो टेबल पर बैठें, बताएं कि किन पॉइंट्स पर लाइट कम मिल रही है। मैं समीक्षा करूंगा, अगर अधिकारियों की गलती होगी तो उन पर कार्रवाई करूंगा। सिर्फ राजनीतिक हो-हल्ला मचाना ठीक नहीं है।

भोपाल में दो स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, एनएसएफएल के बाहर विस्फोटक की सूचना निकली अफवाह, मामला दर्ज

भोपाल। दिल्ली-एनसीआर के बाद अब मध्य प्रदेश के स्कूलों में बम की धमकी मिल रही है। भोपाल में दो स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी देने और नेशनल साइबर फोरेंसिक लैब (एनएसएफएल) के बाहर विस्फोटक सामग्री की सूचना का मामला सामने आया है। पुलिस ने जानकारी मिलते ही तीनों स्कूलों की जांच की तो पूरा मामला फर्जी निकला। टीटी नगर और गांधीनगर थाना पुलिस ने अफवाह फैलाने की धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ई-मेल भेजने वाले की तलाश शुरू कर दी है। भोपाल के दो बड़वई स्थित पोदार वर्ल्ड स्कूल और टीटी नगर स्थित सेंट मेरी स्कूल को 10 मार्च को ई-मेल प्राप्त हुआ, जिसमें धमकी दी गई कि उन्हें बम से उड़ा दिया जाएगा। वहीं, खजूरी क्षेत्र में स्थित नेशनल फोरेंसिक लैब के बाहर विस्फोटक सामग्री पड़े होने की सूचना मिली। इन घटनाओं के बाद पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने तत्काल कार्रवाई करते हुए जांच शुरू की, लेकिन किसी भी स्थान पर कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। एक माह पूर्व भी भोपाल और इंदौर के स्कूलों को तेलुगू भाषा में धमकी भरा मेल प्राप्त हुआ था।गांधीनगर थाना प्रभारी सुरेश फरकले ने मंगलवार को बताया कि पोदार वर्ल्ड स्कूल की आधिकारिक वेबसाइट पर सोमवार को एक धमकी भरा ई-मेल प्राप्त हुआ, जिसमें दोपहर 2:45 बजे स्कूल को बम से उड़ाने की बात कही गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस, बम डिफ्यूजन टीम और डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंची और पूरे परिसर की गहन जांच की, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। वर्तमान में ई-मेल की सत्यता की जांच जारी है।टीटी नगर स्थित सेंट मेरी स्कूल को भी इसी प्रकार का धमकी भरा ई-मेल प्राप्त हुआ। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त रश्मि अग्रवाल दुबे ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस और बम स्क्वॉड टीम स्कूल पहुंची और पूरी जांच की, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर आगे की जांच प्रारंभ कर दी है।टीटीनगर थाना प्रभारी सुधीर अरजरिया ने बताया कि सेंट मेरी स्कूल में सुबह साढ़े 10 बजे मेल आई, जिसमें 2 बजकर 45 मिनट पर स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। सूचना मिलने के बाद डाग स्क्वॉड ने मौके पर पहुंचकर जांच की, लेकिन वहां कुछ नहीं मिला और सूचना झूठी निकली। जिन दो स्कूलों को धमकी भरी ई-मेल मिली, अब स्कूल प्रबंधन से जानकारी लेकर राय साइबर सेल और साइबर क्राइम पुलिस जांच कर रही है। अब यह पता करने की कोशिश की जा रही है कि ई-मेल से झूठी सूचना किसने और क्यों दी।खजूरी थाना प्रभारी नीरज वर्मा ने बताया कि सोमवार दोपहर करीब 01 बजे नेशनल फोरेंसिक लैब को एक ई-मेल प्राप्त हुआ, जिसमें लैब के बाहर विस्फोटक सामग्री पड़े होने की सूचना दी गई थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस बल, डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक टीम ने पूरे इलाके की बारीकी से जांच की, लेकिन कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। फिलहाल इन घटनाओं में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस साइबर सेल की मदद से धमकी भरे ई-मेल भेजने वाले की तलाश में जुटी हुई है।

मध्यह प्रदेश में भोपाल-इंदौर समेत कई जिलों में बढ़ने लगी गर्मी, दिन का तापमान 38 डिग्री तक पहुंचा

भोपाल। मध्य प्रदेश में होली से पहले मार्च के दूसरे हफ्ते में ही सूरज की तपिश काफी तेज हो गई है। प्रदेश के अधिकांश जिलों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस पार पहुंचने लगा है। सोमवार को इस सीजन का सबसे गर्म स्थान रतलाम रहा। जहां पर अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस रहा। राजधानी भोपाल और इंदौर जिले का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। मौसम विभाग ने अगले दो दिन तक तापमान में और बढ़ोतरी होने का अनुमान जताया है।

मौसम विभाग के मुताबिक, आने वाले दिनों में प्रदेश के तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि होने की संभावना है। होली के दिन भोपाल सहित प्रदेश के अधिकांश इलाकों में दिन का तापमान 35 से 36 डिग्री तो रात का तापमान 17-18 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है। हालांकि अधिकतम तापमान में भले ही तेजी आ रही हो, लेकिन रात के तापमान में बड़ी वृद्धि नहीं हुई है। कुछ जिलों की रातें अभी भी ठंडक भरी हैं। आज मंगलवार को भोपाल में तापमान 36 डिग्री के पार पहुंच सकता है। इंदौर, उज्जैन में तापमान 36 डिग्री के आसपास रहेगा। अन्य शहरों में भी तापमान बढ़ा हुआ रहेगा।

पिछले 3 दिन से प्रदेश में गर्मी का असर बढ़ा है। सोमवार को धार-रतलाम में 38 डिग्री, शिवपुरी-मंडला में 37 डिग्री, गुना में 36.5 डिग्री, खरगोन में 36 डिग्री, सागर, सिवनी, नर्मदापुरम-टीकमगढ़ में 35.8 डिग्री, खजुराहो में 35.6 डिग्री, दमोह-बैतूल में 35.5 डिग्री, नरसिंहपुर में 35.2 डिग्री और खंडवा में 35.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बड़े शहरों की बात करें तो उज्जैन सबसे गर्म रहा। यहां तापमान 37 डिग्री तक पहुंच गया। इंदौर में 35.6 डिग्री, भोपाल में 35.4 डिग्री, ग्वालियर में 34.5 डिग्री और जबलपुर में 34 डिग्री रहा। सोमवार की रात की बात करें तो धार में सबसे यादा 23.2 डिग्री रहा था। वहीं, भोपाल, इंदौर में 21 डिग्री से यादा रहा।

जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत कार्यशाला आज

भोपाल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय भोपाल द्वारा राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत पर्यावरण एवं नियोजन संगठन (एपको) में आज (मंगलवार को) अंतर्विभागीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल एवं लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा रायमंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल इसका शुभारंभ करेंगे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ प्रभाकर तिवारी ने बताया कि कार्यशाला में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के राय स्तरीय अधिकारी, पर्यावरण एवं नियोजन संगठन की कार्यकारी निदेशक आर. उमा माहेश्वरी, स्टेट नॉलेज सेंटर एपको के समन्वयक डॉ लोकेंद्र ठक्कर सहित नोडल अधिकारी, यूनिसेफ प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में शासकीय एवं निजी क्षेत्र के चिकित्सकों के साथ-साथ लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, पंचायत विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विभाग, इंडियन इंस्टीट्यूट आफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च, यूनिसेफ, कुक्कुट पालन विभाग, कृषि एवं उद्यानिकी, पुलिस विभाग, मलेरिया विभाग,नगर निगम, जेल विभाग के प्रतिनिधि शामिल होंगे। डॉ. तिवारी ने बताया कि कार्यशाला में जलवायु परिवर्तन के मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के साथ साथ जीव जंतुओं पर होने वाले नकारात्मक प्रभावों पर भी चर्चा की जाएगी। कार्यशाला में यूनिसेफ द्वारा विशेष रूप से सहयोग दिया जा रहा है।

जीआईएस में स्थानीय कारीगरों-किसानों के उत्पादों को मिला वैश्विक मंच, ग्लोबल ब्रांड बनाने का मार्ग होगा प्रशस्त

जीआईएस-भोपाल में ओडीओपी-एक्सपो से मिलेगी लोकल उत्पादों को वैश्विक पहचान - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि एक जिला-एक उत्पाद हमारे कारीगरों और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट भोपाल में आयोजित एक जिला-एक उत्पाद (ओडीओपी) एक्सपो ने स्थानीय कारीगरों और किसानों के उत्पादों को वैश्विक मंच प्रदान किया। जीआईएस-भोपाल में 38 जिलों के विशिष्ट ओडीओपी उत्पादों का प्रदर्शन किया गया, जिसमें परंपरा और नवाचार का अनूठा संगम देखने को मिला। जीआईएस-भोपाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ओडीओपी को आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक सशक्त पहल बताया।

मुख्यनमत्री डॉ. यादव ने कहा है कि हर जिले का एक खास उत्पाद उसकी सांस्कृतिक और आर्थिक पहचान बन सकता है। ओडीओपी कार्यक्रम से लोकल प्रोडक्ट्स को ग्लोबल ब्रांड बनाने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीआईएस-भोपाल में ओडीओपी-एक्सपो से हमारे स्थानीय उत्पादों, विशेष रूप से हस्तशिल्प और कृषि उत्पादों को वैश्विक मंच पर पहचान बनाने का अवसर मिला है।

कला, हस्तशिल्प और कृषि उत्पादों का हुआ सजीव प्रदर्शन जनसंपर्क अधिकारी सोनिया परिहार ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि एक्सपो में ओडीओपी के लिए विशेष स्टॉल लगाए गए, जिन्हें लाइव काउंटर और प्रोसेस काउंटर में विभाजित किया गया। लाइव काउंटर में बाग प्रिंट, जरी जरदोजी, बटिक प्रिंट, कालीन, चंदेरी साड़ी, बांस, बलुआ पत्थर और कपड़े की जैकेट जैसे आठ प्रमुख उत्पादों की निर्माण प्रक्रिया को कारीगरों ने लाइव प्रदर्शित किया। जीआईएस-भोपाल में आयोजन के दौरान विदेशी निवेशकों और उद्योगपतियों ने स्थानीय कारीगरों के हुनर को करीब से देखा और उनकी कार्यशैली को समझा। एक्सपो के 'कुम्हार पुरा' और 'टेक्निकल ज़ोन' के लाइव काउंटर भी प्रमुख आकर्षण का केंद्र बने रहे।

खाद्य और कृषि उत्पादों को मिली नई पहचान ओडीओपी-एक्सपो में खाद्य, मसाले और फलों से जुड़े 38 जिला विशिष्ट उत्पादों को उनके निर्माण प्रक्रिया के साथ प्रदर्शित किया गया। इन उत्पादों की खरीद और निर्यात के अवसर भी उपलब्ध कराए गए। साथ ही, निवेशकों ने विशिष्ट उत्पादों के सेंपल लिए, जिससे भविष्य में व्यापारिक संबंध स्थापित होने की संभावना बढ़ी।

मध्य प्रदेश के विशिष्ट ओडीओपी उत्पाद मध्य प्रदेश में ओडीओपी के तहत विभिन्न जिलों के पारंपरिक, वस्त्र और कृषि उत्पादों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इनमें बुरहानपुर का केला, ग्वालियर के आलू आधारित उत्पाद और स्टोन टाइल्स, खरगोन की मिर्च उत्पाद, मंदसौर के लहसुन उत्पाद, नीमच के धनिया उत्पाद, सतना के टमाटर आधारित उत्पाद, मुरैना की गजक और सरसों उत्पाद, इंदौर के आलू आधारित उत्पाद, भोपाल के अमरूद उत्पाद, चंदेरी की साड़िया, महेश्वर की साड़ियां और हथकरघा उत्पाद, टीकमगढ़ के मिट्टी शिल्प और हस्तशिल्प उत्पाद और धार के बाग प्रिंट शामिल है।

राय के इन उत्पादों को मिला है जीआई टैग बाग प्रिंट, बालाघाट का चित्रौर चावल, दतिया और टीकमगढ़ बेल धातु का कार्य, चंदेरी साड़ी, गोंड पेन्टिंग, ग्वालियर के हैन्डमेड कारपेट, जबलपुर का पत्थर शिल्प, झाबुआ का कड़कनाथ, इंदौर के चमड़े के खिलौने, माहेश्वरी की साड़ी, मुरैना की गजक, रतलामी सेव, रीवा का सुन्दरजा, उज्जैन का बटिक प्रिंट, सीहोर का शरबती गेहूँ, वारासिवनी की हेण्डलूम साड़ी, डिण्डोरी के मेटल वर्क को जीआई टैग मिला है।

एक्सपो में हुआ निवेशकों और स्थानीय उद्यमियों में संवाद एक्सपो में निवेशकों और स्थानीय उद्यमियों के बीच संवाद का अवसर मिला, जिससे प्रदेश के कारीगरों और उत्पादों को नए बाजारों तक पहुंचाने की नींव रखी गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा विदेशी निवेशकों से हुए मेल-मिलाप ने प्रदेश के उत्पादों को ग्लोबल व्यावसायिक मंच देने की आधारशिला रखी गई है।

जीआईएस, भोपाल में ओडीओपी-एक्सपो ने यह साबित कर दिया कि मध्यप्रदेश के पारंपरिक उत्पादों में वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता है। यह आयोजन स्थानीय उत्पादों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

संपादकीय

डोनाल्ड ट्रंप के बयानों और नीतियों से बाजार भ्रम में

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयानों और नीतियों ने दुनिया की अर्थव्यवस्था में हलचल मचा दी है। उनकी टैरिफ नीतियों और व्यापार युद्ध को तेज करने की रणनीति ने एक बार फिर सुर्खियां बटोरी हैं। हाल ही में ट्रंप ने मंदी की आशंकाओं पर अपनी प्रतिक्रिया दी, जिसने चर्चा को और गर्म कर दिया है। इतना ही नहीं, उनके एक बयान ने अमेरिकी शेयर मार्केट में 1 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा डुबा दिए। ऐसे में सवाल यह है कि क्या उनकी बातों में वास्तविक दम है, और अगर मंदी आई, तो क्या भारत भी इसके चपेटे में आएगा?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयानों और नीतियों ने दुनिया की अर्थव्यवस्था में हलचल मचा दी है। उनकी टैरिफ नीतियों और व्यापार युद्ध को तेज करने की रणनीति ने एक बार फिर सुर्खियां बटोरी हैं। हाल ही में ट्रंप ने मंदी की आशंकाओं पर अपनी प्रतिक्रिया दी, जिसने चर्चा को और गर्म कर दिया है। इतना ही नहीं, उनके एक बयान ने अमेरिकी शेयर मार्केट में 1 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा डुबा दिए। ऐसे में सवाल यह है कि क्या उनकी बातों में वास्तविक दम है, और अगर मंदी आई, तो क्या भारत भी इसके चपेटे में आएगा?

इस वर्ष जनवरी में अमेरिका के राष्ट्रपति का पद संभालने के बाद से नीतियां चुनने के मामले में डोनाल्ड ट्रंप इतना आगे-पीछे हुए हैं कि बाजार भ्रम में पड़ गया है। अमेरिका के कुछ सबसे करीबी व्यापार साझेदारों पर शुल्क लगाया गया और फिर या तो हटा दिया गया या टाल दिया गया। कुछ लोगों को अब भी संदेह है कि ट्रंप वाकई शुल्क लगाना चाहते हैं या बातचीत में अपनी शर्तें मनवाने के लिए शुल्क की धमकी भर दे रहे हैं। कोई नहीं जानता कि ये शुल्क कब लगेंगे, कितनी हद तक लगेंगे और लगेंगे भी या नहीं। इसीलिए यह अनुमान लगाना भी मुश्किल हो गया है कि किसी खास क्षेत्र या पूरी अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर इनका क्या असर होगा। यही बात हौसला पस्त कर रही है। अमेरिका में कुछ लोगों को तो अचानक हौसला पस्त होने और लोगों की धारणा बदलने से मंदी आने का डर भी सताने लगा है।

न्यूयॉर्क फेडरल रिजर्व के पास मंदी की संभावना का पैमाना है, जो मंदी के सभी अनुमानों को इकट्ठा कर बताता है। अगस्त 2025 में यह सूचकांक अब तक के तीसरे सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया और ऐसा दशकों बाद हुआ। इससे पहले उसने 1970 के दशक के मध्य में और 1980 के दशक के आरंभ में इतनी ऊंचाई छुई थी। दोनों ही मौकों पर अमेरिका में उत्पादन घट गया था। बॉन्ड यील्ड भी कैलेंडर वर्ष की बची अवधि के लिए ऐसी ही चिंता जता रही है। दो साल में परिपक्व होने वाले अमेरिकी बॉन्ड पर यील्ड पिछले कुछ हफ्तों में काफी कम हो गई है। इससे लगता है कि अर्थव्यवस्था धीमी हो जाएगी और फेडरल रिजर्व को दरें घटानी पड़ेंगी। पिछले साल की उम्मीदों से यह एकदम उलट है। उस वक्त राष्ट्रपति चुनावों के नतीजे आने के बाद यील्ड तेजी से चढ़ी थी। माना जा रहा था कि ट्रंप कारोबार के लिए मददगार नीतियां लाएंगे, जिनसे वृद्धि को सहारा मिलेगा चाहे महंगाई भी बढ़े। उस समय लगा कि पहले करों में कटौती की जाएगी और उसके बाद शुल्क बढ़ाए जाएंगे। मगर ज्यादातर कारोबारी अब ऐसा नहीं मानते। बल्कि कुछ तो खुद राष्ट्रपति से पूछना चाहते हैं कि वह चाहते क्या हैं।रविवार को जब ट्रंप फॉक्स न्यूज पर दिखे तो उनसे सीधे पूछ लिया गया कि उनके कदमों से मंदी आने की कितनी संभावना है और ट्रंप को ऐसी किसी संभावना की परवाह नहीं दिखी। उन्होंने कहा कि भविष्यवाणी करना उन्हें पसंद नहीं है मगर अमेरिकी अर्थव्यवस्था में वह जितने बड़े बदलाव कर रहे हैं, उनके कुछ समय तक तो हलचल रहेगी। पिछले हफ्ते कांग्रेस में अपने संबोधन में भी उन्होंने यही संदेश दिया था और उनके प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों मसलन वाणिज्य मंत्री आदि की बातों से भी यही दिखा। मंत्री ने चेतावनी दी कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था को सरकारी व्यय के नशे से छुटकारा दिलाना होगा।सब जानते हैं कि शुल्क का इस्तेमाल करने से वृद्धि और मुद्रास्फीति पर क्या दूरगामी प्रभाव पड़ेंगे। परंतु मध्यम अवधि में कुछ सकारात्मक असर भी हो सकते हैं। फिर यह उथलपुथल क्यों? शायद इसलिए क्योंकि अपने कदमों और उनके समय के बारे में बताने में प्रशासन एकदम लचर रहा है। साथ ही कंपनियों तथा निवेशकों को उनके हिसाब से ढलने का पर्याप्त समय भी नहीं दिया गया है। इसकी वजह से नकारात्मकता फैल गई। अर्थव्यवस्थाओं और अमेरिकी बाजारों में माल बेचने वाली कंपनियों जैसे भारत की सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों को आगे के लिए अनुमान लगाते समय मंदी के जोखिम का भी ध्यान रखना होगा। मार्के की बात है कि ट्रंप को दूसरे राष्ट्रपति कार्यकाल में अपने आर्थिक विचारों पर इस कदर यकीन है कि उनके लिए वह मंदी का भी जोखिम उठा सकते हैं। अपने पहले कार्यकाल में उन्होंने कुछ व्यापार समझौतों पर दोबारा बातचीत की थी और कुछ शुल्क भी लगाए थे मगर इस बार उनके कदम ज्यादा व्यापक हैं और उनके लिए वह मंदी का जोखिम लेने को भी तैयार हैं।

राजनीति की आंधी में कांपता हिंदी का दीया

मार्च 2025 के पहले सप्ताह में जब तमिलनाडु की डीएमके सरकार हिंदी और हिंदीभाषियों पर भौतिक-राजनीतिक हमले तेज कर रही हो, तब हिंदीभाषी समुदाय का लगभग उदासीन और अन्तर्विभाजित पड़े रहना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। दो साल पहले तमिलनाडु में हिंदीभाषी मजदूरों-कामगारों पर राज्यभर में चाकू-कुल्हाडी से जानलेवा हमले की घटनाएं हुई थीं। उसमें 50 से अधिक लोग घायल हुए थे, दो की हत्या हुई और इन घटनाओं से डरे हिंदीभाषी कई दिनों तक जहां रह रहे थे, वहां मकान से बाहर नहीं निकले थे। बिहार-यूपी लौटने वाली ट्रेनों में दहशत भरी भीड़ उमड़ आई थी। लोग देवी-देवता और छठी मइया से रिजर्वेशन नहीं, जीवित घर लौटने भर की मनौती मांग रहे थे। उस समय वहां सत्तारूढ़ दल के समर्थक तमिलों ने रोजगार छीनने का आरोप लगाकर बिहार-यूपी के हिंदीभाषी मजदूरों-कामगारों पर हमले किये थे। अब केंद्र सरकार की नई शिक्षा नीति के जरिये तमिलों पर हिंदी थोपने का आरोप लगाकर माहौल बिगाड़ा जा रहा है। दक्षिण भारत , विशेषकर तमिलनाडु में नई शिक्षा नीति और त्रिभाषा नीति लागू करने के विरुद्ध राजनीतिक दुराग्रह का निशाना हिंदी को बनाया जा रहा है, जबकि भारत की 2.5 लाख ग्राम पंचायतों और 676 जिलों के जनप्रतिनिधियों के सुझाव पर विचार कर बनी नई शिक्षा नीति-2020 (एनईपी) में सभी 22 भारतीय भाषाओं को प्रोत्साहित करने का पूरा ध्यान रखा गया है। नई शिक्षा नीति 1968-1986 की शिक्षा नीति की अपेक्षा अधिक समावेशी है, फिर भी हिंदी-संस्कृत को लेकर तमिलनाडु के सत्तारूढ़ दल का दुराग्रह कम नहीं हुआ है। अब छात्र कोई भी दो भारतीय भाषाएं पढ सकते हैं, हिंदी, कन्नड़ या तमिल , यानी किसी भाषा को पढना किसी के लिए अनिवार्य नहीं है। यह उदारता तमिलनाडु के भाषाई चरमपंथियों को चुभ रही है, वे इसे हिंदी थोपना बता रहे हैं। भाषा के इस प्रकरण को वहां की डीएमके सरकार केंद्र की मोदी सरकार से टकराव का नया मुद्दा बना रही है। सवाल यह है कि जब डीएमके शासित तमिलनाडु में हिंदी और हिंदीभाषियों पर सीधे हमले हो हैं, तब कांग्रेस नेतृत्व वाले 26 दलीय इंडी गठबंधन में इस मुद्दे पर चुप्पी क्यों है? डीएमके प्रमुख स्टालिन के आपत्तिजनक बयानों की अनसुनी करना हिंदीपट्टी में जनाधार का दावा करने वाले कांग्रेस, राजद, सपा जैसे दलों के लिए सुविधाजनक क्यों है?

जाहिर है, कि जैसे हिंदू कोई वोट बैंक नहीं है, हिंदू आस्था का अपमान कोई कॉमेडियन भी कर सकता है, कोई नेता महाकुम्भ को 'फालतू' कह सकता है, वैसे ही भाषा के तौरपर हिंदी कोई वोट बैंक नहीं है, इसलिए इस वोट-दरिद्र भाषा का अपमान किया जा सकता है। तमिलनाडु को हिंदीभाषियों की वोट-दरिद्रता और भाषाई दर्पहीनता का पता है, इसलिए वहाँ बार-बार आघात हो रहे हैं।

परिवारवादी डीएमके में करुणानिधि की विरासत पाकर मुख्यमंत्री बने स्टालिन ने त्रिभाषा फामूर्ले और नई शिक्षा नीति के विरुद्ध जो सर्वदलीय बैठक बुलाई है, उसमें कांग्रेस सहित 45 दलों को आमंत्रित किया गया है, लेकिन केवल भाजपा ने इसके बहिष्कार की घोषणा की। क्या बाकी दलों को अपने हिंदीभाषी जनाधार के सम्मान की रक्षा में कुछ नहीं बोलना चाहिए?

यदि राजनीतिक हलके में स्टालिन के हिंदी-विरोधी बयानों पर राहुल गांधी , लालू प्रसाद, अखिलेश यादव आदि चुप हैं, तो कोई आश्चर्य नहीं, लेकिन भाषा -शिक्षा , पत्रकारिता और साहित्य के उत्तर भारतीय क्षितिज से भी हिंदी की अस्मिता के पक्ष में कोई स्वर नहीं फूटना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है ।दरअसल, इस अराजनीतिक दिखते सन्नाटे के पीछे है हिंदी की बोलियों को भाषा का दर्जा दिलाने की मीठी राजनीति (साफ्ट पालिटिक्स) करने में लगे समूह या संगठन। जैसे , जातीय जनगणना की राजनीति हिंदू अस्मिता को विरल करती है, उसी तरह बोलियों की सियासत 55 करोड़ लोगों के विशाल हिंदीभाषी समुदाय को बाँट-छांट कर छोटा करने पर तुली है।

जब हिंदी की मीठी आंचलिक बोलियों (डायलेक्ट) को अलग भाषा (लैंग्वेज) या मातृभाषा बताने का आग्रह सुनियोजित तरीके से बढाया जाएगा, तब हिंदी किसी की भाषा नहीं रहेगी, हिंदीभाषी अल्पसंख्यक हो जाएँगे। हिंदी को राष्ट्र भाषा बनाने का सपना धरा रह जाएगा। तमिलनाडु यही चाहता है, इसलिए स्टालिन आरोप लगा रहे हैं कि हिंदी दक्षिण भारत की भाषाओं के लिए ही नहीं, उत्तर भारत की भोजपुरी, मगही, अंगिका, मैथिली, अवधी, बुंदेलखंडी जैसी भाषाओं के लिए खतरा है।

इधर यूपी-बिहार में लोग अपनी आंचलिक बोलियों को मातृभाषा बताने की मुहिम चला कर स्टालिन का परोक्ष समर्थन ही कर रहे हैं। ऐसे में हिंदी किसी की मातृभाषा नहीं रह जाएगी। भाषा राजनीति की आंधी में कांप रहा है हिंदी का दीया ।

लगभग 200 हिंदीभाषी सांसदों, हिंदी के विकास में लगे दर्जनों संगठनों, हिंदी साहित्य सम्मेलन, अन्तरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय या राष्ट्रभाषा परिषद जैसे किसी संगठन -संस्थान ने तमिलनाडु के हिंदी-संस्कृत विरोधी नरेटिव के विरुद्ध कोई टिप्पणी नहीं कर जो उदासीनता दिखाई, वह आत्मघाती है। विचलित करने वाली यह स्थिति बदलनी चाहिए।

तमिलनाडु की भाषाई असहिष्णुता और हिंसक घटनाओं के विरुद्ध दिल्ली के जंतर-मंतर पर या हिंदीभाषी प्रदेशों की राजधानी में हिंदी समर्थक महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने भी कोई मोमबत्ती जलाने नहीं आया! हिंदी वालों ने हर काम सरकारों और नेताओं के भरोसे छोड़ दिया है। हिंदी दिवस मनाने वाले भी पूरे परिदृश्य से गायब हैं।

विडम्बना देखिये कि असम , केरल, महाराष्ट्र या तमिलनाडु में जो लोग हिंदीभाषी पहचान के कारण मारपीट का शिकार होते हैं, उन्हें बिहार-यूपी लौटने पर अपने घर में भोजपुरी, मगही, मैथिली, अंगिका भाषी पहचान प्रिय है। हिंदीभाषी राज्यों में भाषा-बोली के विकास के लिए नहीं, बल्कि केवल वोट की राजनीति के लिए बोलियों को भाषा मानकर जो अकादमियाँ बनायी गईं, वे आज हिंदीविरोधी राजनीति की ही धार तेज कर रही हैं।

आज वह हिंदी संकट में है, जिसे भारतेंदु हरिश्चंद्र और उनकी परम्परा के साहित्यकारों-पत्रकारों ने गांव-देहात से उठा कर विमर्श ,आलोचना, विज्ञान, न्याय , विधेयन , अनुसंधान, जनसंचार और शासन की भाषा बनने की शक्ति प्रदान की। क्या इस राजपथ से हम हिंदीभाषियों को खेत की मेड़ और चौपालों में लौट जाना चाहिए? इस पूरे प्रकरण पर व्यापक विमर्श होना चाहिए।

पाकिस्तान में क्रिकेट खत्म होने की भविष्यवाणी

दुबई में खेले गए फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराकर भारत चैंपियंस ट्रॉफी जीत चुका है और देश में हर्षोल्लास का माहौल है, लेकिन मेजबान पाकिस्तान में अंगारे निकल रहे हैं। पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी, क्रिकेट प्रशंसक और मीडिया अपने क्रिकेट बोर्ड व खिलाड़ियों पर आग बबूला हैं। कुछ ने तो पाकिस्तान में क्रिकेट खत्म होने की भविष्यवाणी तक कर दी है। पाकिस्तान के क्रिकेटर्स को खिलाड़ी कम और धर्म प्रचारक अधिक बताया जा रहा है। क्या वाकई कभी खतरनाक टीम रही पाकिस्तान गर्त में जा चुकी है? क्या वेस्टइंडीज की तरह पाकिस्तान में क्रिकेट खत्म हो जाएगा? आंकड़े तो इस ओर ही इशारा कर रहे हैं।

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की जीत के बाद कहा कि उन्हें डर है कि पाकिस्तान की हालत वेस्टइंडीज जैसी न हो जाए, जो एक समय क्रिकेट पर राज किया करता था और अब कहीं नजर नहीं आता। भले पाकिस्तान में टैलेंट की कमी नहीं है, पर राजनीति और भाई-भतीजावाद क्रिकेट को डूबा रहा है।

पिछले दिनों एक टॉक शो में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पूर्व अध्यक्ष नजम सेठी ने यहां तक खुलासा किया था कि पाकिस्तान सेना के पूर्व जनरल कमर जावेद बाजवा क्रिकेट में इस कदर रुचि लिया करते थे कि वो अपनी तरफ से कुछ खिलाड़ियों को टीम में डायरेक्ट एंट्री दिला देते थे।

आपको पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज मोइन खान का बेटा आजम खान याद होगा, जिसके भारी-भरकम शरीर को लेकर इंटरनेशनल क्रिकेट में मजाक उड़ा था। उसके बावजूद आजम खान अमेरिका में हुए टी-20 वर्ल्ड कप में टीम का हिस्सा बन गया और बिना अच्छे प्रदर्शन के टीम से बाहर भी हो गया। पाकिस्तान टीम में ऐसे और भी बहुत सारे खिलाड़ी हैं, जो जुगाड़ से खेल रहे हैं। उनमें प्रोफेशनलिज्म की कमी है। पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी और मीडिया इस ओर बार-बार इशारा करते हैं।

अब जरा पाकिस्तान के पिछले कुछ सालों के आंकड़ों पर नजर डालते हैं। आईसीसी के वनडे टूर्नामेंट में पिछले 10 साल में एक बार भी पाकिस्तान क्रिकेट टीम सेमीफाइनल तक नहीं पहुंची है। टीम मैनेजमेंट की हालत कुछ ऐसी है कि साल 2021 से अब तक चार पीसीबी अध्यक्ष बदले जा चुके हैं।

पिछले चार साल में 12 कोच बदले गए हैं। चार साल में 26 सिलेक्टर बदले गए हैं। बार-बार कप्तान बदले जा रहे हैं। पाकिस्तान टीम के खिलाड़ियों की हालत यह है कि कोई अपना औसत ठीक करने के लिए खेल रहा है तो कोई अपने 50 रन कैसे बन जाएं? यह देख रहा है। खिलाड़ियों के बीच राजनीति चरम पर रहती है।

पाकिस्तान के प्रसिद्ध यूट्यूबर सैयद मुजम्मिल ने पाकिस्तान टीम को धर्म प्रचारकों की टोली करार दिया है। अपने एक वीडियो में सैयद मुजम्मिल ने कहा कि यह प्लेइंग इलेवन नहीं, धर्म प्रचारक इलेवन है। पिछले दिनों पाकिस्तान के ओपनर इमाम-उल-हक के वीडियो का जिक्र करते हुए सैयद मुजम्मिल ने बताया कि कैसे इमाम-उल-हक चैंपियंस ट्रॉफी में कप्तान रहे मोहम्मद रिजवान की इस बात के लिए तारीफ कर रहा था कि वो खिलाड़ियों को नमाज पढ़ने के लिए इकट्ठा कर लेता है। नमाज के लिए वॉट्सएप ग्रुप बनाकर टाइम बताता है, यानी टीम के लिए खेल की रणनीति नहीं, धर्म सबसे जरूरी काम हो गया है। साल 2003 के वर्ल्ड कप के दौरान पाकिस्तान के कई खिलाड़ी ट्रेनिंग सेशंस को छोड़कर धर्म प्रचार के लिए निकल जाते थे। जब यह बात पीसीबी को पता चली तो खिलाड़ियों को नोटिस दिया गया। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम-उल-हक हों या स्पिन गेंदबाज सकलैन मुश्तक या कई अन्य खिलाड़ी, ये सभी विदेशी खिलाड़ियों को कन्वर्ट करने पर लगे रहे हैं।

पाकिस्तान के क्रिकेट प्रशंसक इस बात को लेकर भी नाराज हैं कि चैंपियंस ट्रॉफी पाकिस्तान की मेजबानी में खेली गई, लेकिन टीम के खिलाड़ी कुछ भी अच्छा नहीं कर सके और फाइनल तक दुबई में खेला गया। टीम के खराब प्रदर्शन ने उन्हें अंदर तक तोड़ दिया है। फाइनल के बाद अवॉर्ड फंक्शन में पाकिस्तान की ओर से कोई उपस्थित नहीं रहा।

जनता के दबाव या राजनीति को देखते हुए अब पीसीबी ने टीम का पोस्टमार्टम शुरू किया है। इस पोस्टमार्टम की हालत देखिए। न्यूजीलैंड भेजी जा रही टी-20 टीम का कप्तान सलमान अली आगा को बनाया गया है, जिनकी पहले टी-20 टीम तक जगह नहीं थी। वो विशुद्ध टेस्ट और वनडे के खिलाड़ी हैं।

मो. रिजवान, जो मात्र चार टी-20 मैचों के कप्तान रहे, उन्हें वनडे टूर्नामेंट में हार का खामियाजा भुगतना पड़ा है। उनकी कप्तानी चली गई है और वो टी-20 टीम से बाहर हो गए हैं। देश के स्टार खिलाड़ी बाबर आजम को टी-20 टीम से बाहर कर दिया गया है। बाबर आजम को लेकर भी पाकिस्तानी क्रिकेट प्रशंसक नाराज हैं और उन्हें कागजी किंग करार दे रहे हैं।

पाकिस्तान में क्रिकेट की जो स्थिति हो रही है, उससे स्पष्ट है कि इस खेल की हालत देश में कुछ वैसी ही हो जाएगी, जैसी उनके यहां हॉकी और स्क्वैश की हुई है। वेस्टइंडीज की राह पर पहुंचने में पाकिस्तान की क्रिकेट टीम को ज्यादा समय नहीं लगेगा। डूबती इकोनॉमी, बढ़ते आतंकवाद और धार्मिक उन्माद से पहले ही पाकिस्तान जूझ रहा है। उनके लिए क्रिकेट ही खुश होने का एक सहारा होता है, वो भी अब खत्म होता दिख रहा है।

बता दें कि क्रिकेट की टीम इंडिया एक बार फिर चैंपियन बनी है। वह तीसरी बार चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली इकलौती टीम है। यह जीत भी विश्व चैंपियन के बराबर है, क्योंकि टीम इंडिया ने आईसीसी टूर्नामेंट में खिताबी जीत हासिल की है। जून, 2024 में टीम इंडिया ने टी-20 विश्व कप जीता था। उसके करीब 9 माह बाद फिर हम विश्व चैंपियन बने हैं। दोनों ही बार टीम अजेय रही है। टीम 2023 के एकदिनी विश्व कप में भी अजेय रहकर फाइनल में पहुंची थी। दुर्भाग्य से फाइनल में हम ऑस्ट्रेलिया से पराजित हो गए थे। टीम इंडिया न तो प्रतिशोध लेती है और न ही पुराने स्कोर तय करती है। वह पेशेवर और रचनात्मक क्रिकेट खेलते हुए आज एकदिनी और टी-20 क्रिकेट की सर्वश्रेष्ठ टीम है। भारत के रोहित शर्मा, शुभमन गिल और विराट कोहली एकदिनी क्रिकेट के विश्व में, क्रमशः नंबर 2, 3, 4 स्थान के खिलाड़ी हैं। आईसीसी के एकदिनी टूर्नामेंट में रोहित ने कुल 68 छक्के मारे हैं और वह सिरमौर बने हुए हैं। क्रिकेट में वह कुल 345 छक्के उछाल चुके हैं। पाकिस्तान के शाहिद आफरीदी ही उनसे कुछ आगे हैं। रोहित और विराट ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने क्रमशः 11,000 और 14,000 से अधिक रन एकदिनी क्रिकेट में बनाए हैं और अब भी वे खेल रहे हैं। सिर्फ सचिन तेंदुलकर का 18,000 से ज्यादा रनों का पहाड़ विराट को पार करना है। अलबत्ता वह सचिन के रिकॉर्ड लगातार तोड़ते जा रहे हैं। इन दोनों खिलाड़ियों ने ही आईसीसी टूर्नामेंट के 9 फाइनल खेल कर भी विश्व कीर्तिमान रचा है। बेशक दोनों बल्लेबाज बीते कुछ मैचों के दौरान नाकाम रहे थे, लिहाजा सांसदों तक ने सवाल उठाने शुरू कर दिए थे कि आखिर उन्हें कब तक मौके दिए जाते रहेंगे? चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल ने साबित कर दिया कि रोहित हमारे सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में एक हैं और विराट कोहली ने फाइनल तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। विराट ने इस प्रतियोगिता में एक शतक समेत 200 से अधिक रन बनाए। वह 7 बार आईसीसी टूर्नामेंट में प्लेयर ऑफ दि मैच का अवार्ड भी हासिल कर चुके हैं। सचिन 10 ऐसे अवार्ड और रोहित 8 अवार्डों के साथ उनसे आगे हैं। करीब 36 साल की उम्र में विराट की मैदान पर फिटनेस और फुर्ती अतुलनीय है। यकीनन यह रोहित शर्मा की टीम इंडिया की शानदार, असाधारण जीत है। भारत की झोली में 7 आईसीसी खिताब हैं। बेशक यह दुर्लभ जीत है, जो 12 साल के लंबे इंतजार के बाद हासिल हुई है। अब विश्व क्रिकेट की इबारत ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड या वेस्टइंडीज की टीमें नहीं, टीम इंडिया लिखती है। चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान चार स्पिनर गेंदबाज खिलाने का प्रयोग भी विश्व विजयी रहा। नए दौर की चौकड़ी-वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, रवीन्द्र जडेजा और अक्षर पटेल-ने 1960 और 80 के दशक की प्रसन्ना, बेदी, चंद्रशेखर, वेंकटराघवन नामक प्रहारक और कुल 853 विकेट लेने वाली चौकड़ी की यादें ताजा कर दीं। फाइनल मैच में वह टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ, जब कुलदीप ने प्लेयर ऑफ दि टूर्नामेंट रचिन रवीन्द्रन और महान बल्लेबाज केन विलियम्सन की लगातार दो ओवर में गिल्लियां बिखेर दीं। बहरहाल टीम इंडिया के लिए श्रेयस अय्यर मध्यक्रम की बल्लेबाजी के नए राष्ट्रीय नायक बन कर उभरे हैं। उनके साथ अक्षर पटेल ने खूबसूरत पारियां खेल कर मैच बचाया भी और उसे जीता भी है। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने यह भी भविष्यवाणी की थी कि मैच बीच में जाकर फंस सकता है। ऐसा हुआ भी, जब टीम इंडिया के 3 शीर्ष बल्लेबाज 17 रनों के अंतराल पर आउट हो गए। इस अग्नि-परीक्षा में भी टीम इंडिया सफल रही और मैच जीत कर खिताब भी झोली में लिया। बहरहाल टीम इंडिया के लिए यह संक्रमण-काल है, जब शीर्ष खिलाड़ी पुराने हो चुके हैं और नए खिलाड़ि को आजमाया जा रहा है। वे कसौटी पर चैंपियन की तरह खरे उतर रहे हैं। इस जीत का देश ने पूरी रात जश्न मनाया। गावस्कर और कपिल देव सरीखे विश्व चैंपियन खिलाड़ियों ने भी भंगड़ा-सा किया।

आगामी त्यौहारों को लेकर कोतमा में निकाला गया फ्लैग मार्च

सुशील सोनी । सिटी चीफ
कोतमा, आगामी होली के त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए कोतमा अनुभाग में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से थाना कोतमा, थाना भालूमाड़ा ,थाना यातायात के पुलिस बल ने संयुक्त रूप से कोतमा थाना क्षेत्र में एसडीओपी कोतमा श्रीमती आरती शाक्य के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस बल ने मुख्य बाजार कोतमा, संवेदनशील स्थानो एवं भीड़ भाड़ वाले इलाकों पर फ्लैग मार्च निकालकर कर आमजन को सुदृढ़ कानून व्यवस्था का एहसास कराया । फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस अधिकारियों ने जनता से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की ।
पुलिस के अधिकारियों ने बाजार का भ्रमण कर लोगों को जागरूक किया ।उन्होंने हिंदू मुस्लिम समुदाय के प्रमुख लोगों से मिलकर शांति और सद्भाव बनाए रखने की अपील की ।लोगों से आपसी भाईचारे के साथ त्यौहार मनाने का आग्रह किया ।पुलिस की मुस्तैदी से बाजार में सुरक्षा का माहौल बना। आम लोगों को विश्वास हुआ कि त्योहारों के दौरान शांति और कानून व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी । अनुभाग में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष निगरानी की जा रही है ।लोगों को अफवाह और उकसावे से दूर रहने की हिदायत दी गई। पुलिस पूरे अनुभाग में विशेष सतर्कता बरत रही है ।त्योहारों के दौरान किसी भी तरह की अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी ।पुलिस बल का सख्त रवैया देखकर असामाजिक तत्वों को स्पष्ट संदेश मिल चुका है। एसडीओपी कोतमा आरती शाक्य ने आम जनता से अफवाहों पर ध्यान न देने ।कानून व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी आपत्तिजनक गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की है त्योहारों के दौरान क्षेत्र में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस का यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

आकर्षक आजीविका होली गिफ्ट हैंपर तैयार

गिफ्ट हैंपर में स्व सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पाद हैं शामिल

सुशील सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, स्व सहायता समूहों द्वारा रंगों के पर्व होली के अवसर पर आकर्षक गिफ्ट हैंपर तैयार किया गया है, जो कि कलेक्ट्रेट परिसर अनूपपुर में आजीविका आउटलेट पर उपलब्ध है। कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में स्व सहायता समूहों के उत्पादों को आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य के साथ गिफ्ट हैंपर तैयार किया गया है। महत्वपूर्ण यह है कि इसमें शामिल उत्पाद जिले के स्व सहायता समूहों द्वारा ही तैयार किये गये हैं। इसके पूर्व भी स्व सहायता समूहों द्वारा रक्षाबंधन एवं दीपावली के अवसर पर आकर्षक गिफ्ट हैंपर तैयार किया गया था ,जिसे सभी के द्वारा प्रोत्साहित किया गया था। जिला प्रशासन द्वारा समूहों के प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिये उनके द्वारा तैयार गिफ्ट हैंपर खरीदने की अपील सभी नागरिकों से की गई है।

भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम का

कार्यकर्ताओं ने लड्डुओं से तौलकर किया सम्मान

पुष्पराजगढ़ के बेनीबारी मंडल में जिला अध्यक्ष का हुआ भव्य स्वागत

सुशील सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम का इन दोनों अनूपपुर जिले के समस्त मंडलों में स्वागत सम्मान समारोह का कार्यक्रम निरंतर चल रहा है इसी कड़ी में 10 मार्च 2025 को पुष्पराजगढ़ विधानसभा के बेनीबारी मंडल में भाजपा मंडल अध्यक्ष रजनीश उद्दे्य द्वारा कार्यशाला तथा भाजपा जिला अध्यक्ष का स्वागत सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया जहां पर भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम का फूल मालाओं से स्वागत करते हुए कार्यकर्ताओं ने लड्डुओं से तौल कर सम्मान किया। भाजपा जिला अध्यक्ष का वजन 75 किलो ग्राम लड्डुओं से तौल कर किया गया। आदिवासी अंचल में आयोजित सम्मान समारोह में पहुंचे भाजपा जिला अध्यक्ष का कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। हीरा सिंह श्याम ने सभी कार्यकर्ताओं के प्रति आभार प्रकट किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे भाजपा संगठन का एक-एक कार्यकर्ता संगठन की नीव होता है जिसके दम पर आज भारतीय जनता पार्टी बट वृक्ष के रूप में दिखाई दे रही है संगठन के और विस्तार के लिए हम सभी को मिलकर आगे कार्य करना होगा जिससे कि भारतीय जनता पार्टी अंतोदय के सपने को पूरा कर सके। केंद्र में मोदी एवं प्रदेश में मोहन सरकार के द्वारा आदिवासियों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं चलाकर उनके जीवन में परिवर्तन लाने का कार्य किया गया है। बैगा आदिवासियों की चिंता आज तक किसी सरकार ने नहीं की लेकिन हमारे देश के प्रधानमंत्री और प्रदेश के मुख्यमंत्री के द्वारा बैग जनजातीय समाज के लिए विशेष योजना लाकर उनके जीवन में परिवर्तन लाने का कार्य किया है। समाज कल्याण की दिशा में भाजपा एवं भाजपा की सरकार निरंतर कार्य करते हुए देश को परम वैभव की शिखर पर ले जाने की ओर अग्रसर है। आयोजित कार्यशाला एवं स्वागत सम्मान समारोह में भाजपा के मंडल अध्यक्ष रजनीश उद्दे्य गोपाल सिंह केशव सिंह धुर्वे प्रवीण सिंह गहरवार अरुण चौकसे उमेश पाठक नरेश मिश्रा राजेंद्र चतुर्वेदी के अलावा भाजपा के कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे उपरोक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह द्वारा दी गई ।

भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम को देना होगा ध्यान नहीं हो रही है कार्रवाई

सुशील सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, क्या हो गया डॉक्टर और स्टाफ की कमी है जिसके कारण गली-गली और गांव-गांव में नई-नई दुकान झोलाछाप डॉक्टरों की खोली जा रही है जैसा की अनूपपुर जिले के अंदर झोलाछाप डॉक्टरों की लूट मची है और एक जगह की बात नहीं है हमने पूरे अनूपपुर जिले कुछ ऐसे डॉक्टर जिनके पास कोई डिग्री नहीं और ना ही कोई तजुर्बा है गांव की जनता स्वास्थ्य विभाग के लापरवाही के कारण झोलाछाप डॉक्टरों से एक स्थान से दूसरे स्थान जाकर अपनी दवाई करते हैं उसे व्यक्ति की आज उसके घरके लोगों नहीं पता यह बताया की भैया ऐसे गांव है जहां पर डॉक्टर दवाई करने आते हैं और उनको इतना भी नहीं मालूम बुखार में छोटे बच्चों को कौन सी दवा देनी चाहिए या नहीं देनी चाहिए उन्हें तो सिर्फ दवा देने से मतलब है चाहे किसी की जान क्यों ना चली जाए वह अपनी कमाई करते हैं उन्हें किसी की चिंता नहीं होती यह उससे पूछिए जिसके घर का कोई व्यक्ति अचानक झोलाछाप डॉक्टरों से दवा करवाई है और उसके बाद वह डॉक्टर अक्सर यह बोल देता है आपको बिलासपुर या फिर नागपुर जाकर ढाबा करवाना पड़ेगा वह डॉक्टर इतना बोलकर बड़ी हॉस्पिटलों में भेज देता है जहां पर उसकी कमीशन बंधी होती है किसी के पास पैसा है या नहीं है वह अपनी व्यवस्था बनाकर दवा करवाने जाता है उसे क्या मालूम की यहां तो लोट मची है कैसे जीते होंगे वह जिसके परिवार के कोई व्यक्ति अगर चला जाता है तो अपना जीवन पालन कैसे करता है वह झोलाछाप डॉक्टर महंगी महंगी दवाइयां लिखते हैं और लोगों को लूटते हैं जिससे उन गरीबों के पास अक्सर पैसे ना होने के कारण वह दवाई नहीं करवा पाए और इतना ही नहीं अगर किसी ने कहीं से व्यवस्था बनाई हो वह तो यही सोच कर जाता है की मुझे अपनी मैरिज की दवा करवानी है वह यह नहीं सोचता जिनको वह अपने घर पर छोड़ कर आया है उनके साथ क्या गुजर रही होगी वह तो दवा करवाने में लगा हुआ है उनके घर में खाने को हो चाहे ना हो अपने मरीज की जान बचाने के लिए अपना सब कुछ निछावर कर देते हैं पर बड़ी हॉस्पिटलों में लंबा चौड़ा बिलबन के आता है मरीज ठीक हुआ तो ठीक है नहीं तो वह बिल भुगतान होने करना ही पड़ता है चाहे वह उधारी क्यों ना लेकर जाएं चाहे वह ब्याज में लेकर जाएं उन्हें अपने मरीज को ठीक करवाना चाहते हैं और जेवर गिरवी करके इलाज के लिए जाते हैं या फिर उन्हें बेच देते हैं पर गरीबों का खून चूसने की जो आदत पड़ी है डॉक्टरों की ऐसे डॉक्टरों के ऊपर भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम को ध्यान देने की है जरूर पर आपके आल्हा अधिकारी उन्हें तो इतनी चिंता ही नहीं है किसी की जान जाती है तो जाने दो उन्हें लंबी कमाई करने के लिए झोलाछाप डॉक्टर को बैठे हैं क्योंकि उनका कुछ कमीशन बड़ी हॉस्पिटलों से बंधा हुआ होता है इस लालच पर चाहे किसी की जान क्यों न जाए उन्हें तो अपनी कमिश्नर से मतलब है और महंगी महंगी दवाइयां लिखते हैं और मेडिकल में उनकी कमीशन बंधी होती है इतना ही नहीं जब हम यह जानकारी देते हैं ड्रग इंस्पेक्टर और डॉ आरके वर्मा को तो उनका कहना यह रहता है की हमारी टीम गठित हो रही है हम जल्द ही इस पर कार्रवाई करेंगे पर ऐसा क्या हो गया कि आज 3 महीने से अधिक हो जा रहे हैं पर उनकी टीम आज तक कोई कार्रवाई नहीं कर पा रही है अगर एक कार्रवाई कर लेते हैं तो उनसे अगर हम जानकारी लेते हैं तो उनका कहना यह रहता है जब हमारी पूरी कार्रवाई होगी तो हम आपको बताएंगे ऐसा लगता है इन भ्रष्ट अधिकारी कोई कार्यवाही नहीं करना चाहते और ना ही वह अपनी टीम को कहीं भेजते हैं हमने कई बार समाचार पत्रों पर खबर लगाई पर इन अधिकारियों को गरीबों का खून चूसते की आदत पड़ गई है क्योंकि जब कोई झोलाछाप डॉक्टर फसता है तो वह अधिकारी के पास जाता है और अपनी बात रखता है उसके बाद आखिर क्या हो जाता है अधिकारी जो उसे झोलाछाप डॉक्टर की कमाई से लगता है उनको भी कुछ हिस्सा मिल जाता है ऐसे में गरीब आदिवासी भोली भाली जनता जनता किसके पास गुहार लगाई जिला प्रशासन भी ध्यान नहीं दे रहे हैं ना ही उनके भ्रष्ट अधिकारी ध्यान दे रहे हैं जैसा कि आरके वर्मा को हमने कई बार जानकारी दी पर उनको इतना गुरूर है की वह अपनी ही बात करते हैं किसी की बात नहीं सुनते ऐसे भ्रष्ट अधिकारी हमने तो देखा ही नहीं है उन झोलाछाप डॉक्टर की कोई भी कार्रवाई करते नहीं है जिनका कहना यह है कि जब उनसे हमने पूछा की आप टीम कब भेजेंगे तो उनका कहना यह है हमारी टीमद्ध गठित हो गई है कल हम उनको भेजेंगे अरे आपको तो बोलते बोलते हमें लगता है 1 ..2 महीने हो गए भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम आपकी सरकार है आपके लोग हैं और भोली वाली जनता यह भी नहीं जानती कि उनके साथ क्या हो रहा है निवेदन है कि ऐसे अधिकारियों के ऊपर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए

सहारनपुर जिले की चीनी मिलों पर 521 करोड रुपए गन्ना भुगतान है बकाया - भगत सिंह वर्मा

किसान कैसे मनाये होली और ईद - भगत सिंह वर्मा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, भारतीय किसान यूनियन वर्मा व पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने आज चिलकाना रोड कार्यालय पर एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सहारनपुर जिले की चीनी मिलों पर 521 करोड रुपए गन्ना भुगतान बकाया है। और पिछले वर्षों में देरी से किए गए गन्ना भुगतान पर लगा ब्याज सहारनपुर जिले की चीनी मिलों पर 650 करोड रुपए ब्याज बकाया है। चीनी मिलों से गन्ना भुगतान व ब्याज नहीं मिलने के कारण गन्ना किसान एक-एक रुपए के मोहताज हैं। जिले के गन्ना किसान कैसे होली और ईद मनाये। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि गन्ना उत्पादन लागत 550 रुपए कुंतल है। सरकार चीनी मिलों से गन्ना किसानों को गन्ने का भुगतान मात्र 360 रुपए कुंतल भी समय से नहीं दिला पा रही है। गन्ना किसान एक वर्ष तक मेहनत करके लागत लगाकर गन्ना उत्पादन करता है। फिर गन्ने को चीनी मिलों में डालता है। चीनी मिलों में गन्ना पहुंचने के बाद चीनी मिल मालिकों की मर्जी है कि वह कब किसानों को गन्ना भुगतान करें। पड़ोसी छोटा राज्य हरियाणा में पिछले वर्ष ? 50 प्रति कुंतल गन्ने का भुगतान चीनी मिलों में अधिक था। इस वर्ष भी ?30 कुंतल गन्ने का मूल्य अधिक है। उत्तर प्रदेश के गन्ना किसानों को प्रतिवर्ष प्रत्येक गन्ना किसान को हजारों लाखों रुपए का नुकसान है। चीनी मिलों से गन्ना भुगतान न होने के कारण किसानों को अपने बच्चों की फीस देने के भी पैसे उसके पास नहीं है और अपने बुजुर्ग मां-बाप की दवा के भी पैसे नहीं है। जबकि उत्तर प्रदेश सरकार प्रतिवर्ष 50 हजार करोड रुपए एक्साइज ड्यूटी के रूप में राजस्व प्राप्त करती है। और गन्ने से हजारों उत्पाद तैयार होते हैं। जिससे प्रतिवर्ष सरकार को जीएसटी के रूप में एक लाख करोड रुपए से अधिक वसूल होते हैं। इसके बावजूद भी इस बार सरकार द्वारा गन्ने का मूल्य न बढ़ना प्रदेश के गन्ना किसानों के साथ सरासर अन्याय और धोखाधड़ी है। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि गन्ना किसानों का गन्ने से लगातार मोह भंग होता जा रहा है। गन्ना किसान बागवानी पॉपुलर आदि की तरफ जा रहा है। क्योंकि गन्ने की खेती लगातार घाटे का कार्य हो गया है। भगत सिंह वर्मा ने सरकार चीनी मिल मालिक गन्ना विभाग कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही गन्ना किसानों को गन्ना भुगतान और ब्याज नहीं दिया गया और गन्ने का लाभकारी मूल्य ?700 कुंतल नहीं किया गया तो प्रदेश के गन्ना किसान बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगे। बैठक की अध्यक्षता भारतीय किसान यूनियन वर्मा के प्रदेश संगठन मंत्री धर्मवीर चौधरी ने किया और संचालन प्रदेश महामंत्री आसिम मलिक ने किया। बैठक में राष्ट्रीय सलाहकार रजत शर्मा, राष्ट्रीय महामंत्री रामकुमार नेता, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मोहम्मद फिरोज खान, प्रदेश उपाध्यक्ष मोहम्मद जहीर तुर्की, प्रदेश उपाध्यक्ष पंडित नीरज कपिल, प्रदेश सचिव ऋषिपाल गुर्जर, प्रदेश सचिव डॉक्टर परविंदर मलिक, मंडल मीडिया प्रभारी दुष्यंत सिंह, मंडल उपाध्यक्ष सरदार गुरविंदर सिंह बंटी, जिला उपाध्यक्ष वसीम जहीरपुर, जिला मंत्री मुकर्रम प्रधान आदि ने भाग लिया।

बजरंग दल नेता विकास त्यागी ने सीएम योगी से देवबंद के मौ. बैरून कोटला स्थित मंदिर में पुलिस चौकी स्थापित कराने के साथ-साथ प्राचीन मंदिर का जीर्णोद्धार कराए जाने की मांग की

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर । देवबंद, बजरंग दल के पूर्व प्रांत संयोजक विकास त्यागी ने आज प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर देवबंद नगर के मौहल्ला बैरून कोटला में स्थित प्राचीन हिंदू मंदिर का जीर्णोद्धार कराने व पुलिस चौकी स्थापित कराए जाने की मांग की है। बजरंग दल नेता विकास त्यागी ने सीएम को भेजे पत्र में अवगत कराया कि हिन्दुओं के उक्त मोहल्ले से पलायन किये के कारण मंदिर वर्षों से बंद होने के कारण खंडहर हो चुका है व लगभग 30-32 वर्षों से मंदिर में कोई मूर्ति भी नहीं है और न ही मंदिर में नित्य पूजा-पाठ हो रहा है। गत दिनों उक्त मंदिर को हिंदू समाज व संतो ने जागृत किये जाने का प्रयास किया है किंतु उक्त क्षेत्र में हिंदू आबादी ना होने कारण भविष्य में फिर से मंदिर वीराना हो सकता है। इसलिए उक्त मंदिर परिसर में पुलिस चौकी का निर्माण करा दिया जाए तो भविष्य में मंदिर सुरक्षित रह सकता है। त्यागी ने सीएम योगी से हिंदुओं की भावनाओं को देखते हुए मंदिर का जीर्णोद्धार कराए जाने तथा मंदिर परिसर में पुलिस चौकी स्थापित कराए जाने की मांग की है।

थाना कोतमा पुलिस द्वारा अवैध शराब विक्रय करने वाले पर की गई कार्यवाही

सुशील सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, दिनांक 11/03/25 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि बाबू खान अपने वाहन रखने बाले बाड़ा अवैध शराब विक्रय हेतु रखा है । मुखबिर सूचना पर हमराह स्टाफ एंव साक्षियों के साथ मुखबिर सूचना की तस्दीक की जो घटना सही पाई गई । बाबू उर्फ मुक्तार हुसैन पिता स्व. लुकमान हुसैन उम्र 30 वर्ष निवासी वार्ड नं. 07 बनिया टोला कोतमा की उपस्थिति में बाड़ा की तलाशी ली गई तो तलाशी के दौरान अग्रेजी शराब के 24 नग अद्धा मात्रा 09 लीटर कीमती 12960 रू. के मिले शराब रखने के कागजात मांगे गये तो बाबू उर्फ मुक्तार हुसैन ने नही होना बताये । आरोपी । बाबू उर्फ मुक्तार हुसैन पिता स्व. लुकमान हुसैन उम्र 30 वर्ष निवासी वार्ड नं. 07 बनिया टोला कोतमा के कब्जे से अग्रेजीं शराब के 24 नग अद्धा मात्रा 09 लीटर कीमती 12960 रू. समक्ष गवाहो के जप्त किये गये आरोपी उपरोक्त के विरूध्द अपराध धारा 34(ए) आबकारी एक्ट की वैधानिक कार्यवाही की गई है ।
इनकी रही भूमिका - थाना प्रभारी निरीक्षक सुन्द्रेश सिंह , सउनि. सुरेश कुमार अहिरवार , आर.477 प्रदीप यादव आर् 232 अभय त्रिपाठी।

नगर मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में होली, रमजान एवं ईद-उल-फितर पर्व के दृष्टिगत नागरिक सुरक्षा के स्वयं सेवकों के साथ हुई बैठक

क्षेत्रों में भ्रमण करते हुये शान्ति व्यवस्था में सहयोग करने के दिए निर्देश

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल के निर्देशों के क्रम में नगर मजिस्ट्रेट गजेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में होली, रमजान एवं ईद-उल-फितर पर्व के दृष्टिगत कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में नागरिक सुरक्षा के स्वयं सेवकों के साथ बैठक आयोजित की गयी। नगर मजिस्ट्रेट द्वारा नागरिक सुरक्षा स्वयं सेवकों को आगामी होली पर्व, रमज़ान एवं ईद-उल-फितर पर अपने अपने क्षेत्रों में भ्रमण करते हुये शान्ति व्यवस्था में सहयोग करने के निर्देश दिये गये। उन्होंने कहा कि इस वर्ष होली एवं जुमे की नमाज़ एक ही दिन पड़ रही है। इसमें आपको और अधिक सतर्क रहना है। उनके द्वारा नागरिक सुरक्षा सुरक्षा के स्वयं सेवकों द्वारा पूर्व में किये गये कार्यों की सराहना की गयी। उप नियन्त्रक नागरिक सुरक्षा कश्मीर सिंह द्वारा बताया गया कि रमजान माह, जुमे की नमाज तथा होली पर्व पर नागरिक सुरक्षा के स्वयं सेवकों की डयूटी लगा दी गयी है। सभी स्वयं सेवक डयूटी के दौरान एप्रेन पहन कर रखेगें तथा कोई भी अप्रिय घटना की अशंका होने पर सूचना अपने उच्चाधिकारियों अथवा पुलिस कन्ट्रोल रूम में देने के निर्देश दिये गये है।
चीफ वार्डन, नागरिक सुरक्षा राजेश जैन द्वारा पूरे रमजान माह, होली एवं ईद-उल-फितर पर नागरिक सुरक्षा के स्वयं सेवकों को ड्यूटी देने के निर्देश दिये गये तथा बैठक सधन्यवाद सम्पन हुई। बैठक में हंसराज सैनी, अशोक सैनी, दीपक कुमार सिंह, सूर्यकान्त सिंह, वीर सैन जैन, अरूण सूरी, अमित जैन, सहीराम, विकास अग्रवाल, सरफराज खान, खालिद सिद्दकी, मनोज चौधरी, राजबीर वर्मा एवं नागरिक सुरक्षा के लगभग 200 स्वयं सेवकों द्वारा बैठक में प्रतिभाग किया गया।

होलिका दहन में लकडी के स्थान पर गोबर से निर्मित उत्पादों का करें प्रयोग - जिलाधिकारी मनीष बंसल

गोबर उत्पादों के प्रयोग से पर्यावरणीय संरक्षण के साथ प्रदूषण होगा नियंत्रित – मनीष बंसल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल ने होली पर्व के अवसर पर होलिका दहन हेतु गो आश्रय स्थलों में गाय के गोबर से निर्मित विभिन्न उत्पादों का प्रयोग किए जाने के संबंध में कहा कि होली का पर्व सामाजिक समरसता, हर्ष उल्लास एंव जीवन के विभिन्न रंगों, सुख तथा समृद्धि का प्रतीक है। गाय हमारी रीति रिवाज और संस्कृति का अभिन्न अंग है। गाय के गोबर तथा दूध का उपयोग सभी मांगलिक कार्यों में किया जाता है। विदित है कि होलिका पर्व के दौरान होलिका दहन में भारी मात्रा में लकड़ी का उपयोग किया जाता है, जिसके फलस्वरूप वृक्षों से लकड़ी की कटाई किये जाने से पर्यावरण भी प्रभावित होता है। होली के दौरान गोबर के उत्पादों का प्रयोग किये जाने से वृक्षों का कटान कम होगा, पर्यावरण सुरक्षित होगा तथा प्रदूषण भी नियंत्रित हो सकेगा, इसके साथ-साथ गो आश्रय स्थलों को अतिरिक्त आय होगी। डीएम मनीष बंसल ने कहा कि आगामी होली के पर्व पर होलिका दहन में लकड़ी के स्थान पर अधिक से अधिक मात्रा में गोबर से बने हुए विभिन्न उत्पादों का प्रयोग किया जाए। गो आश्रय स्थलों में उत्पादित गोबर से गोबर के उपले तथा गोबर लॉग तैयार किये जा रहे हैं, जिनकी बिक्री से गो आश्रय स्थलों को अतिरिक आर्थिक संसाधन उपलब्ध हो रहा है। जनपद के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में चिन्हित स्थानों पर परंपरागत तरीके से होलिका दहन किया जाता है, जिससे लकड़ी के साथ-साथ गाय के गोबर से तैयार बलगोरियों/बल्ले तथा उपले होलिका में डाले जाते हैं। आगामी होली पर्व पर लकड़ी के स्थान पर अधिक से अधिक गाय के गोबर से तैयार उपलों तथा गोबर लॉग का प्रयोग किये जाने हेतु विशेष प्रयास किए जाएं। होली पर्व के दृष्टिगत गो आश्रय स्थलों में उपलब्ध गोबर से गोबर के कंडे तथा गोबर लॉग का उत्पादन स्वयं सहायता समूहों की मदद से किया जाए। होली के पर्व एवं होलिका दहन से संबंधित आयोजन समितियों से मिलकर गोबर से तैयार बलगोरियों/बल्ले, उपले तथा गोलॉग उत्पादों को गो आश्रय स्थलों से क्रय किये जाने हेतु उन्हें प्रेरित किया जाए। गाय के गोबर से तैयार गोकास्ट लकड़ी की तुलना में सस्ता होता है। इन उत्पादों की बिक्री गो आश्रय स्थलों, स्वयं सहायता समूह बिक्री केन्द्र, कृषि, डेयरी तथा खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग के विभिन्न आउटलेट्स से की जा सकती है। होली के पर्व पर गो आश्रय स्थलों के आर्थिक स्वावलंबन हेतु इन प्रयासों में सबंधित समन्वयकारी विभाग यथा पशुपालन विभाग, राजस्व विभाग, पंचायतीराज विभाग, नगर विकास विभाग, ग्राम्य विकास विभाग एवं गृह विभाग द्वारा समेकित प्रयास किये जाएं।

बालीपुर धाम में गजानन जी महाराज का 105 वां जन्मोत्सव मनाया जाएगा

धार। मनावर अंबिका धाम आश्रम बालीपुर धाम में ब्रह्मलीन संत श्री गजानन जी महाराज का 105 वां जन्मोत्सव भक्ति भाव और श्रद्धा के साथ 13 मार्च को मनाया जावेगा। इसी को लेकर 5 मार्च से लगातार आयोजनों में हजारों भक्त उपस्थित होकर भारतीय सनातन संस्कृति का अनुभव कर रहे हैं। आश्रम में प्रतिदिन धार्मिक अनुष्ठान भजन कीर्तन एवं कथा प्रवचन का आयोजन भी किया जा रहा है।
अंबिका आश्रम में संत श्री योगेश जी महाराज एवं सुधाकर जी महाराज के सानिध्य में प्रतिदिन सवा लाख पाठ एवं भक्ति का महासंगम हो रहा है। महोत्सव में मातृ शक्ति द्वारा प्रतिदिन दुर्गा चालीसा एवं हनुमान चालीसा के 21 पाठ किया जा रहे हैं।
इसमें देश के मूर्धन्य वैदिक विद्वानों द्वारा चारों वेदों का पारायण, भक्तों द्वारा हनुमान चालीसा, दुर्गा चालीसा, दुर्गा अष्टोत्तर नामावली प्रत्येक का सवा सवा लाख पाठ होगा। श्री गुरुमंत्र के चौबिस लाख जपहोगे।साथ ही निमाड़ की सांस्कृतिक विरासत आधारित प्रदर्शनी व सनातन संस्कृति के विभिन्न आयामों की प्रदर्शनी। प्रशिक्षण शिविर। सवालाख पाठ के संकल्प के साथ प्रति दिन श्रीदुर्गाअष्टोत्तर शत नाम पाठ,रात्रि 7से10बजे तक संगीत मय श्री हनुमान चालीसा व श्री दुर्गा चालीसा पाठ हो रहे हैं।इसके अतिरिक्त अखंड रामायण पाठ भागवत कथा नित्य यज्ञ गुरुदेव पूजन रुद्राभिषेक एवं अन्य आध्यात्मिक अनुष्ठान भी संपन्न हो रहे हैं। धार जिला मुख्यालय स्थित मीडिया समन्वयक ज्ञानेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि 13 मार्च को होलिका पर के दिन श्रद्धालुओं द्वारा विशेष पूजन शोभायात्रा एवं गुरुदेव द्वारा आशीर्वाद स्वरूप भक्तों को रुद्राक्ष प्रदान किए जाएंगे। 13मार्च को भण्डारा् व रात्रि में धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रम व भजन संध्या आदि के कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसी प्रकार 12मार्च को घनपाठात्मक रुद्राभिषेक किया जाएगा।
आश्रम में प्रतिदिन कथावाचक पंडित सुभाष शर्मा के सानिध्य में भक्तों को श्रीमद् भागवत महापुराण के दिव्य प्रसंग का श्रवण कराया जा रहा है साथ ही भक्ति ज्ञान और वैराग्य का संदेश भी दिया जा रहा है जिससे भक्तजन आध्यात्मिक शांति और आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त कर सकें। 13 मार्च के आयोजन को लेकर आश्रम के संत श्री के साथ समिति के सदस्यों द्वारा यातायात नियंत्रण भंडारा शोभायात्रा पार्किंग सुरक्षा व्यवस्था व अन्य व्यवस्थाओं के लिए कई कर्म से विभिन्न समितियां का गठन किया गया है प्रशासन और पुलिस विभाग भी सुरक्षा और यातायात नियंत्रण में सहयोग करेंगे जिसमें श्रद्धालुओ को किसी प्रकार की असुविधा न हो।
ज्ञात रहे कि श्री बाबाजी ने बालीपुर में 1944 यज्ञ प्रारंभ किया था तभी से वहां रोज यज्ञ होता है। दोनों नवरात्रों में महाराज जी निराहार निर्जल व्रत करते थे।अभी उनके दोनों शिष्य श्री सुधाकर जी व श्री योगेश जी महाराज भी निर्जल व्रत के साथ सहस्त्र चण्डी यज्ञ करते हैं। महाराज जी ने 54वर्षमे 108 शतचण्डी यज्ञ के बाद प्रति माह शतचण्डी यज्ञ प्रारंभ किया।
इसके साथ साथ महाराज जी आयुर्वेद द्वारा दीनदुखियों की सेवा व निराश्रितों को आश्रय देना किसानों, वनवासियों आदि को शिक्षित प्रशिक्षित कर ईश्वर भक्ति में लगाना। यहां तक की निरक्षर खुमा भील और नारायण बा जैसों को सप्तशती सौंदर्य लहरी एवं गीता जी जैसे ग्रंथों को कंठस्थ करा दिया।
वर्तमान महाराज द्वय भी धर्म और सनातन वैदिक संस्कृति की रक्षा और जन जन में उसके विस्तार के लिए लगातार प्रयास करते हैं। वर्ष में बारह शतचण्डी यज्ञ में हजारों श्रद्धालुओं आते हैं प्रमुख नवरात्रों और गुरु पूर्णिमा पर लाखों भक्त आते हैं।
यहां अंबिका आश्रम बालीपुर धाम में प्रमुख उत्सव संतश्री गजानन जी महाराज का जन्मोत्सव है जो होली पूर्णिमा पर मनाया जाता है जिसमें सनातन धर्म के अनुरूप कार्यक्रमों में गत वर्ष छह लाख भक्तों की सहभागिता थी।

पुलिस उप महानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक धार श्री मनोज कुमार सिंह के व्दारा आगामी त्यौहारो को दृष्टिगत रखते हुए धार जिलें के समस्त राजपत्रित अधिकारी, समस्त थाना प्रभारी एवं चौकी प्रभारियों की गूगल-मीट के माध्यम से मिटिंग ली गई

धार
पुलिस उप महानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक धार श्री मनोज कुमार सिंह द्वारा आज दिनांक 11.03.2025 को आगामी त्यौहार होली, धुलेंडी, गलचुल, रंगपंचमी, गेर, फागयात्रा आदि को दृष्टिगत रखते हुए जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारी, समस्त थाना प्रभारी एवं चौकी प्रभारियों की गूगल मीट के माध्यम से मिटिंग ली गई। मीटिंग में पुलिस उप महानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक धार श्री मनोज कुमार सिंह द्वारा जिलें के समस्त अधिकारियों को भगौरिया, होली, रंगपंचमी, आदि पर्व पर विशेष सतर्कता बरतने के साथ सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था बनाये रखने के निर्देश दिये गए।भगौरिया पर्व के दौरान लगने वाले प्रत्येक हाट-बाजारो/मैलो में महिलाओ की सुरक्षा के मद्देनजर महिला पुलिस अधिकारियो की विशेष रुप से ड्यूटी लगाने, एवं होली/रंगपंचमी त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए

आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। साथ ही असामाजिक तत्वो पर विशेष नजर रखने एवं शहर की शांति व्यवस्था भंग करने वालो पर सख्त से सख्त वैधानिक कार्यवाही के संबंध में निर्देशित किया गया। आसूचनाकर्ता एवं खुफिया विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों को सोशल मीडिया प्लेट फार्म जैसे फेसबुक, व्हाट्सअप, इंस्टाग्राम आदि पर वायरल होने वाले आपत्तिजनक फोटो, आडियो, विडियो पर भी निगाह रखने के निर्देश दिए गए।

पुलिस बल बढ़ाने के लिए दिया जनसुनवाई

उज्जैन
जनसुनवाई में स्वच्छता समिति के सभापति एवं वार्ड नं 14 के पार्षद नारायण मंडावलिया द्वारा एक आवेदन मुख्यमंत्री के नाम खाचरोद थाने में पुलिस बल बढ़ाने को दिया गया, उसमें बताया गया कि आपके गृह जिले की खाचरोद शहर का क्षेत्रफल जो कि बड़े लेवल पर फैला हुआ है,जिसमें खाचरोद शहर के साथ लगभग 90 गांव आते है, उसके एवज में पुलिस बल थाना खाचरोद में बहुत कम पुलिस बल मौजूद है पुलिस थाना का क्षेत्रफल देखते हुए लगभग 100 पुलिस कर्मचारियों की अति आवश्यक है और अभी फिलहाल केवल खाचरोद थाने में 40 पुलिस कर्मचारी मौजूद है बड़ा क्षेत्रफल के साथ कम पुलिस बल होने की वजह से ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह से बिगड़ी हुई है आए दिन चोरियां की घटना बढ़ती जा रही है नारायण मंडावलिया ने आगे बताया मैं जिस वार्ड से पार्षद हूं उस वार्ड क्रमांक 14 में कुछ दिनों के अंतराल में तीन चोरियां हो चुकी है व चोर आज दिनांक तक नहीं पकड़े गए है इसको देखकर आम जनता में दशहत का माहौल है अभी जो वार्ड नंबर 14 में तीन चोरियां हुई वह इस प्रकार है, (1), दिनांक 6.10.2024 के शाम 8:00 बजे से 8:30 बजे के बीच अम्मार पिता मोहसिन अली नजमी के यहां लगभग तीन लाख की चोरी करते हुए ले गए, (2)दिनांक 19/11/2024 को दो पहिया वाहन एचएफ डीलक्स गाड़ी नंबर 4726 रात्रि 1:00 से 4:00 के बीच चोरी हुई, (3) दिनांक 7.3.2025 शाम 6:30 से 7:15 के बीच लगभग 6 लाख की चोरी सुरैया पति हकीमुद्दीन के यहां से हुई, जो आज दिनांक तक नहीं पकड़े गए !

रैली, जुलूस, धरना प्रदर्शन एवं अन्य आयोजन को लेकर प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

खरगोन कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री भव्या मित्तल ने खरगोन जिले की साम्प्रदायिक संवेदनशीलता को दृष्टिगत रखते हुए खरगोन जिले की सम्पूर्ण राजस्व सीमा में किसी भी धार्मिक आयोजन, जुलूस, झांकी, धरना प्रदर्शन आदि के अवसरों पर कानून व्यवस्था बनाएं रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 (2) के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये हैं। इसका उल्लंघन करने पर दोषी व्यक्तियों पर कड़ी दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। इस संबंध में जारी आदेश में कहा गया है कि आगामी समय में होली, रंगपंचमी, गणगौर, रामनवमी, हनुमान जयंती, रमजान एवं ईद के त्योहार मनाये जाएंगे। इस दौरान आयोजित होने वाले किसी भी कार्यक्रम से जनसामान्य के आवागमन में किसी भी तरह की बाधा नहीं होनी चाहिए। सड़क अवरूद्ध नहीं होना चाहिए और यातायात संचालन में गतिरोध नहीं होना चाहिए। किसी भी मार्ग को अवरूद्ध नहीं किया जाएगा, किसी कार्यक्रम आयोजन से किसी भी व्यक्ति के व्यवसाय या काम धंधे में अवरोध नहीं होना चाहिए। कार्यक्रम का आयोजन शांतिपूर्ण एवं हिंसा रहित होना चाहिए। यह सुनिश्चित करने का दायित्व आयोजक संस्था या आयोजनगणों का होगा। कार्यक्रम के दौरान कोई भी व्यक्ति आग्नेय अस्त्र या उसकी कोई प्रतिकृति लेकर नहीं चलेगा और न ही उपयोग करेगा। कार्यक्रम से किसी भी प्रकार का ध्वनि प्रदूषण एवं शोर शराबा नहीं होना चाहिए। किसी भी आयोजन में कानून व्यवस्था की स्थिति निर्मित होने पर सम्पूर्ण जिम्मेदारी संबंधित संस्था, आयोजक या आयोजन समिति की होगी। आयोजकों की यह जिम्मेदारी होगी कि एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड आदि ड्यूटी पर तैनात शासकीय अमले के वाहनों को जुलूस से मार्ग देकर प्राथमिकता से निकालेंगे। नगरीय क्षेत्र के समस्त आयोजन में एसडीएम द्वारा अनुमति प्रदान की जाएगी। पूर्व से आयोजित हो रहे आयोजनों में कम से कम 15 दिन पूर्व अनुमति के लिए आवेदन देना अनिवार्य होगा। ध्वनि विस्तार यंत्रों (डीजे) का उपयोग सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना प्रतिबंधित रहेगा। आयोजनों में किसी भी ऐसे नारे या शब्दों का उपयोग नहीं किया जाएगा, जिससे किसी भी धर्म या वर्ग की धार्मिक भावना का ठेस पहुंचे। रैली, जुलूस, यात्रा आदि के आयोजन अवकाश के दिनों में आयोजित किये जाएं। रैली, जुलूस यात्रा के समय आयोजक अपने कार्यकर्ता या वॉलिटियर्स रखेंगे जो पृथक यूनिफार्म में रहेंगे, जिससे उन्हें पृथक से चिन्हित किया जा सके। जुलूस या आयोजन में वॉलिटियर्स की संख्या कुल उपस्थित संख्या के 05 प्रतिशत से कम नहीं होना चाहिए। वॉलिटियर्स के नाम, पते, मोबाइल नंबर की सूची अनुमति प्राप्त करने के लिए दिये गए आवेदन पत्र में संलग्न करना अनिवार्य होगा। रैली, जुलूस यात्रा में अनुमति के अनुसार ही चार पहिया एवं दो पहिया वाहन शामिल किये जा सकेंगे। इसमें घोड़े, बग्घी के अलावा अन्य कोई पशु शामिल नहीं किये जा सकेंगे।

भरण पोषण की धनराशि जमा नहीं करने पर गिरफ्तार

खरगोन पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा हेल्पिंग हेड अभियान के तहत पीड़ित महिलाओं के भरण पोषण वसूली गिरफ्तारी वारंट की तमीली किए जाने के संबंध में जारी आदेश के पालन में उप पुलिस महानिरीक्षक निमाड़ रेंज खरगोन से सिद्धार्थ पुलिस अधीक्षक धर्मराज मीणा एसडीओपी मनोहर सिंह गवली द्वारा अधिक से अधिक भरण पोषण वसूली गिरफ्तारी वारंट की तामीली किए जाने हेतु निर्देशित किया गया था उक्त निर्देशों के परिपालन में थाना प्रभारी कसरावद राजेंद्र बर्मन के निर्देश में दिनांक का कुतुब न्यायालय से जारी किए गए भरण पोषण वसूली गिरफ्तारी वारंट तमीली के तहत मंगलवार को थाना कसरावद पुलिस के द्वारा एम जेसी आर /208/2024 धारा 125(3,) वसूली गिरफ्तारी वारंट मनोज पिता जगदीश सरवर निवासी ग्राम काकरियांव के भरण पोषण वसूली गिरफ्तारी वारंट राशि 69500 /- की गिरफ्तारी की जाकर कुटुंब न्यायालय में पेश किया गया है उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक राजेंद्र बर्मन आशीष पटेल, मनोज, अतुल ,बलराम मुकाती का विशेष योगदान रहा है

स्वर्णिम 75 वर्ष के पुनरुत्थानशिल भारत में, महिला अधिवक्ताओं की भूमि पर दिल्ली में राष्ट्रीय विशाल अधिवेशन विचार गोष्ठी संपन्न

झाबुआ

झाबुआ- किसी न किसी रूप से नारी शक्ति स्वरूप अर्धनारीश्वर भगवान शिव शक्ति मातृशक्ति महिला एवं पुरुष की समानता की भागीदारी है दिल्ली हाई कोर्ट जज श्रीमती स्वर्णा कांता शर्मा नेशनल कमीशन फॉर वूमेन, एवं अखिल भारतीय महिला अधिवक्ता परिषद के संयुक्त तत्वावधान में 8 मार्च को विष्व अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर अखिल भारतीय महिला अधिवक्ताओं का सम्मेलन देश की राजधानी दिल्ली आयोजन के कार्यक्रम कि,मुख्य अतिथि दिल्ली हाईकोर्ट कि जज स्वर्णो कांता शर्मा, भारत शासन के कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, नेशनल कमीशन वूमेन की चेयरमैन श्रीमती विजया किशोर रहा टकर कि गरिमामय उपस्थिति में, कार्यक्रम शुरूवात अतिथियों ने देवी मां

सरस्वती, भारत माता, बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प मालियां दिप प्रज्वलित कर नमन किया, आयोजन समिति ने सभी अतिथियों का स्वागत सम्मान किया, इस दौरान मुख्य अतिथियों ने अपने उद्बोधन में दिल्ली हाई कोर्ट जज ने अधिवक्ता महिलाओं को नहीं बल्कि वह देश की उन्नति प्रगति में सभी महिलाएं जो किसी न किसी रूप से भारत को आगे बढ़ाने में उन सभी महिलाओं का विषेश रूप से योगदान है महिला दिवस की शुभकामनाएं दी एवं अर्धनारीश्वर भगवान शिव एवं शक्ति का जिक्र कर उन्होंने महिला एवं पुरुष की समानता की भागीदारी का वर्णन किया **नेशनल कमीशन वूमेन की चेयरपर्सन** श्रीमती विजया किशोर रहाटकर ने भारत 75 वर्ष संविधान पुनरुत्थानशील में लाडली बहन योजना कन्यादान समृद्धि योजना राजनीतिक में महिलाओं को आरक्षण हो विषेश तोर पर महिलाओं को प्रत्येक कार्य क्षेत्र बडचर आगे-आगे आके आकर भाग लेना चाहिए, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल जी ने महिला दिवस की बधाई देते हुए नारी शक्ति अधिनियम में राजनीतिक में 33व आरक्षण के बारे मे बताया एवं संविधान में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जी के साथ जिन 15 महिलाओं ये ने संविधान को बनाने में विषेश सहयोग दिया भारत सरकार महिलाओं को शिक्षा, व्यापार, खेल,राजनीतिक विषेश सहयोग ध्यान दें रहीं हैं , इस अवसर पर इंदौर सम्भाग की 15 सदस्यीय मालवा प्रांत के अध्यक्ष श्री उमेश यादव जी के नेतृत्व में एवं श्री वाल्मीकि शंकरगाए मालवा प्रांत महामंत्री, विक्रम भाई साहब राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य राष्ट्रीय परिषद सदस्य एवं प्रांत उपाध्यक्ष एवं समस्त पदासीन महाअधिवक्ता , महिलाऐं राष्ट्रीय कार्य करणी सदस्य श्रीमती स्वाति ओखले, श्रीमती विनीता फाये, सुश्री सीमा शर्मा, श्रीमती मृदुला सेन, श्रीमती विभा भारुका, श्रीमती रुक्मणी धानगर, श्रीमती निशा केवलिया, ये श्रीमती तनुजा मलकापुरकर, श्रीमती शालिनी दुबे, श्रीमती सपना फुगे, श्रीमती कोमल विजयवर्गीय, श्रीमती समता पटेल, श्रीमति प्रीति सोलंकी, श्रीमती स्मृति रजदान कंचन सामाजिक सेवा संस्थान संपूर्ण भारत कि राष्ट्रीय संचालक मालवा प्रांत महिला महाधिवक्ता परिषद झाबुआ थांदला कि ब्लाक अध्यक्ष एडवोकेट कुमारी मयूरी राजू धानक सभी ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथियों का स्वागत सम्मान करते हुए,देश भर से आए कोने-कोने जिलों से आए महाधिवक्ताओं से शिष्टाचार भेंट कर अपने अपने विचार सांझा करते हुए इन्दौर संभाग मालवा क्षेत्र से प्रसिद्ध इंदौर संभाग की विशेषताओं के बारे में बताया, आयोजन समिति अखिवक्तापरिषद.आर्ग होस्ट:- अधिवक्ता परिषद, दिल्ली अखिवक्तापरिषद्दिल्ली. एवं नेशनल कमीशन वूमेन दिल्ली के द्वारा कार्यक्रम सफल बनाने के लिए मुख्य अतिथियों , देशभर से आए कोने-कोने से महा अधिवक्ताओं का कार्यक्रम में पधारे अपना अमूल्य समय देने सभी का आभार व्यक्त किया।

क्रेन का टायर फटने से दो मजदूरों की मौत

बुरहानपुर में हाईवे निर्माण के दौरान हुआ हादसा .... एक के सिर के चीथड़े उड़े

बुरहानपुर - उमरदा मे मंगलवार दोपहर नेशनल हाईवे के निर्माण के दौरान क्रेन के टायर में हवा भरते समय टायर फट गया इस हादसे में दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई घटना ताप्ती नदी के पास निर्माणाधीन हाईवे पर हुई मृतक मजदूरो की पहचान उत्तर प्रदेश निवासी 22 वर्षीय पवन पिता लाल बिहारी चौहान और 25 वर्षीय नूर सलाम के रूप में हुई हादसा इतना भीषण था कि एक मजदूर के सिर के आधे हिस्से के चिथड़े उड़ गए

क्रेन में हवा भरते समय फटा टायर सुपरवाइजर चंद्रकांत ने बताया की क्रेन में हवा भरते समय टायर अचानक फट गया पास खड़े दोनों मजदूर इसकी चपेट में आ गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई

परिजनों के आने तक मर्चुरी में रखे गए शव सूचना मिलते ही शिकारपुर थाना पुलिस और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची दोनों शवों को जिला अस्पताल की मर्करी में रखा गया जिला अस्पताल के डॉक्टर दीपक जायसवाल ने बताया कि मृतको के परिजनों के आने के बाद ही पोस्टमार्टम किया जाएगा

जादु टोने की शंका में आरोपी ने की मौसी की निर्मम हत्या

कांटाफोड पुलिस ने 24 घंटे मे किया हत्या का खुलासा

कांटाफोड़ ग्राम कालापाठा के जंगल मे सोमवार को मिले अज्ञात शव के मामले मे एडिशनल एसपी एच एन बाथम ने कांटाफोड़ थाने पर प्रेस वार्ता कर घटना का खुलासा किया है। एडिशनल एसपी ने बताया की एक अज्ञात महिला का शव सड़ी गली अवस्था में ग्राम कालापाठा के पास जंगल में पड़ा मिला। सूचना की तस्दीक हेतु मौके पर पहुंचे उक्त महिला के शव का फोटो ग्राफ सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारित करने पर महिला के शव की शिनाख्त अमनता पति गोरेलाल तिलवारे निवासी ग्राम पिपल्या नानकर थाना नेमावर हाल मुकाम पटेल नगर इंदौर के रुप मे हुई। एफएसएल टीम ने मौके पर पहुंचकर भौतिक साक्ष्य एकत्रित किए।मामला मर्ग कायम कर जांच मे लिया गया।परिजनो के कथन अनुसार मृतिका अमनता को आखिरी बार मुकेश लोंगरे के साथ देखा गया मुकेश पर हत्या की शंका होने पर मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक देवास पुनीत गहलोद द्वारा तत्काल आरोपी की गिरफ्तारी करने हेतु निर्देशित किया गया। एडिशनल एसपी एच एन बाथम एवं एसडीओपी सृष्टि भार्गव के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कांटाफोड़ सुरेखा निमोदा द्वारा विशेष टीम गठित की गई जांच के दौरान तकनीकी साक्ष्य के आधार पर अज्ञात संदेही आरोपी मुकेश लोंगरे पिता शिवलाल से पूछताछ करने पर उसके द्वारा बताया गया कि वह उसकी पत्नी के साथ करीब 3 साल से इंदौर में रहकर मजदूरी कर रहा है उसकी शादी को 4 वर्ष हो गए हैं अभी तक कोई संतान नहीं हुई है उसे शंका थी कि पड़ोस में रहने वाली मौसी अमनता ने कोई जादू टोना किया है जिसके चलते आरोपी द्वारा उसकी मौसी अमनता की हत्या करने की साजिश की। रोबोट चौराहा इंदौर से उसकी मौसी को नर्सरी के जंगल कटवाने का बोलकर अपने साथ काला पाठा के जंगल लेकर आया और वहां पर दाराती से सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी और महिला का शव वही जंगल में छुपा दिया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय मे पेश किया। कांटाफोड़ थाना प्रभारी सुरेखा निमोदा उपनिरीक्षक विजय डोड विनय बघेल प्रधान आरक्षक अशोक शर्मा रामवीर सिंह सुरेश दिलीप राकेश रावत प्रकाश अर्जुन की सराहनीय भूमिका रही।

पुलिस अधीक्षक झाबुआ पद्मविलोचन शुक्ल पिटोल और थांदला भगोरिया हाट में हुए सम्मिलित।

झाबुआ- जिले में आयोजित भगोरिया हाट 2025 के पांचवे दिन, 11 मार्च को अंधरवडा, पिटोल, खयडू, थांदला, तारखेड़ी और बरवेट क्षेत्रों में हुआ। इस कार्यक्रम में झाबुआ पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ल ने पिटोल और थांदला क्षेत्र में आयोजित भगोरिया हाट का हिस्सा बनकर आमजन से मुलाकात की और उन्हें भगोरिया हाट की शुभकामनाएं दीं। साथ ही, उन्होंने लोगों के बीच ठंडाई का वितरण किया और समाजिक सौहार्द्र एवं भाईचारे को बढ़ावा दिया।इस वर्ष के भगोरिया हाट के आयोजन में झाबुआ पुलिस ने एक नई पहल की है। पुलिस द्वारा भगोरिया हाट में पुलिस सहायता केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिनके माध्यम से विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। एलईडी टीवी, पोस्टर और बैनरों के माध्यम से समाज में व्याप्त कुरीतियों जैसे दहेज प्रथा, नशे की लत, बाल विवाह, और बढ़ते साइबर अपराध के बारे में आमजन को जानकारी दी जा रही है। भगोरिया हाट के दौरान किसी भी प्रकार की छेड़खानी या संदिग्ध गतिविधि पर पुलिस द्वारा तत्परता से कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, आमजन से अपील की गई कि वे किसी भी विषम परिस्थिति में तुरंत पुलिस को सूचित करें ताकि मेला शांतिपूर्वक और सुरक्षित रूप से संचालित हो सके।

झाबुआ पुलिस प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया है कि भगोरिया हाट में सभी गतिविधियाँ पूरी तरह से व्यवस्थित रहें और कानून-व्यवस्था का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी। भगोरिया हाट में शामिल सभी नागरिकों से सुरक्षा नियमों का पालन करने और पुलिस को सहयोग देने की अपील की गई। पुलिस प्रशासन का उद्देश्य इस मेले को सुरक्षित, शांतिपूर्ण और सकारात्मक माहौल में आयोजित करना है, ताकि लोग बिना किसी भय के उत्सव का आनंद ले सकें। इस अवसर पर पुलिस प्रशासन ने आम जनता से अपील की कि वे इस दौरान अपने आसपास की गतिविधियों पर ध्यान रखें और किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत पुलिस से संपर्क करें। झाबुआ पुलिस की यह पहल निश्चित ही इस विशेष अवसर पर लोगों में जागरूकता और सुरक्षा का माहौल पैदा करेगी। पुलिस का उद्देश्य भगोरिया हाट के दौरान लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है और साथ ही उन्हें समाजिक कुरीतियों से बचने के लिए जागरूक करना है।

भ्रष्ट पंचायत सचिव से त्रस्त ग्रामीण.... हर काम में वसूली, पंचायत भी नहीं खुलती

शिकायत लेकर ग्रामीण पहुंचे विधायक निवास, विधायक मेव ने दिया कार्रवाई का आश्वासन

मण्डलेश्वर (निप्र)। जनपद पंचायत महेश्वर के ग्राम पंचायत बठोली के ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। ग्रामीणों ने सचिव कालूसिंह पटेल पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि सचिव हर काम में पैसा लेते हैं और पंचायत कार्यालय भी नियमित रूप से नहीं खोलते हैं, जिससे उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अपनी पीड़ा सुनाने के लिए 30 किलोमीटर का सफर तय कर 10 महिलाओं समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण रात साढ़े नौ बजे महेश्वर विधायक राजकुमार मेव के निवास पर पहुंचे। उन्होंने विधायक को बताया कि सचिव कालूसिंह पटेल के भ्रष्टाचार के कारण उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

विधवा महिला ने सुनाई आपबीती बुजुर्ग महिला सलिता पति स्वर्गीय भागीरथ (उम्र 50 वर्ष) ने बताया कि उन्हें सरकारी आवास योजना के तहत आवास स्वीकृत हुआ जिसकी पहली किस्त उन्हें 25 हजार रुपये मिली जिससे उनके द्वारा कुर्सी हाइट तक मकान बना लिया गया। उन्हें कुर्सी हाइट तक मकान बनाने में अभी तक 70 हजार रुपये खर्च लग गया। उन्होंने कर्ज लेकर मकान को कुर्सी हाइट तक बनाया। अब सचिव दूसरी किस्त जमा करवाने के लिए 20 हजार की मांग कर रहा है। वह विधवा है उन्हें एवं उनकी बहु बेटों व छोटे बच्चे को खुले आसमान में रहना पड़ रहा है। सचिव न तो मकान का वेलिवेशन कर रहा है न दूसरी किस्त डलवा रहा है। जिससे वह लोग परेशान होकर विधायक राजकुमार मेव से मिलने आए। विधायक ने दिया कार्रवाई का आश्वासनविधायक मेव ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि शीघ्र सचिव के खिलाफ

उचित कार्यवाही की जाएगी। वहीं ग्रामीणों ने विधायक मेव से कहा कि सचिव कालू पटेल हर काम में पैसा लेता है कोई भी प्रमाण पत्र, नामांतरण, बिजली बिल की फाइल हो या कोई भी काम बगैर पैसे के नहीं करता है और उन्हें धमकी भी देता है कि जहां लगे वहां मेरी शिकायत करो मैं किसी से नहीं डरता। इस दौरान धरम सोनतले, किशोर मोटाआवार, अजय चावड़ा, धर्मेंद्र पटेल, संतोष पटेल, मनोहर गुर्जर, भाईराम सोनतले, करण मानठाकुर, दौलत मानठाकुर, अमरसिंह हिरवे, लक्ष्मीनारायण पटेल, नरेंद्र मंडलोई, सूरजसिंह मंडलोई, सरिता ठाकुर, सुमन हिरवे, लाडू ठाकुर, अजय चावड़ा धर्मेंद्र सोनतले, मनोहर गुर्जर, भारत, धर्मेंद्र पटेल, संतोष पटेल, मोहन गुर्जर, नरेंद्र गुर्जर सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे। ग्रामीणों ने विधायक राजकुमार मेव से बठोली के पंचायत सचिव कालूसिंह पटेल को हटाने व्क्की मांग की व पंचायत में किए गए भ्रष्टाचार की उचित जांच की मांग की।

इस पर महेश्वर विधायक मेव ने उपस्थित ग्रामीणों को कहा कि आप लोग निश्चित रहे आप लोगों ने आज मुझे बताया है इस तरह की गड़बड़ी मेरी विधानसभा में बर्दाश्त नहीं करूँगा। वहीं विधायक मेव ने यह भी आश्वासन दिया कि वे जल्द ही सचिव को हटाने की कार्रवाई करेंगे। जो ग्रामीणों के साथ अन्याय करेगा और किसी भी तरह का भ्रष्टाचार करेगा उसे किसी भी कीमत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विधायक मेव के आश्वासन के बाद सभी ग्रामीण खुशी खुशी वापस लौटे।

विवादों से पुराना नाता बता दें कि सचिव कालूसिंह पटेल हमेशा विवादों में रहते हैं उन पर पूर्व में भी कई शिकायत की गई है जहां जहां कालूसिंह पटेल पदस्थ रहे वहां भी विवादों में रहे कई प्रकार के भ्रष्टाचार के आरोप लगते आए हैं। फिलहाल सचिव कालू सिंह पटेल के पास एक ओर ग्राम पंचायत जलूद का अतिरिक्त प्रभार है। जो कि ग्राम पंचायत बठोली से 20 किलोमीटर से अधिक दूरी पर है। ऐसे में ग्राम पंचायत जलूद में भी ऐसी ही स्थिति है। न पंचायत खुलती है न कोई विकास कार्य होते आमजन इसकी शिकायत कई बार जनपद पंचायत सीईओ जिला पंचायत सीईओ व खरगोन कलेक्टर सहित सीएम हेल्पलाइन पर कर चुके हैं। पर कोई कार्यवाही नहीं होने से सचिव के हौसले बुलंद हो रहे हैं। बहरहाल अब देखना होगा कि ग्रामीणों की शिकायत पर अब विधायक मेव क्या ऐक्शन लेते हैं।

ये आम रास्ता है पर यहां अतिक्रमण से आधी सड़क ही गायब हो जाती हैं रोज शाम को

पीथमपुर इंडोरामा बगदून तलाव से निकलने वाले राह गिरी हो रहे है परेशान

विजय नगर की ओर जाने वाला मार्ग,यहां आमने-सामने से कार आ जाए तो एक्सीडेंट होना ओर जाम लगना तय है। विवादित मार्ग,एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड तो निकल ही नहीं सकती।यहां दुकानदारों ने अपने फायदे के लिए कानून ताक पर रखकर रोड पर ही कब्जा कर लिया है।उन्हें कानून का जरा भी डर नहीं क्योंकि नगर निगम और जिला प्रशासन के अफसर कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। हिसाब लगाया तो अकेले विजय नगर की रोड पर जितनी जमीन पर दुकानदारों ने कब्जा कर रखा है, उसका सरकारी गाइड लाइन के हिसाब से मूल्य लाखों से ज्यादा हो रहा है। इन दोनों मार्गों से रोजाना गुजरने वाले लोगों की शिकायत पर पत्रकार की टीम मौके पर पहुंचकर पड़ताल की तो सामने आया कि दुकानदारों ने 3 से 5 फीट तक रोड पर पक्का अतिक्रमण कर दुकानों का आकार बढ़ा लिया है।इन दुकानों के सामने खड़े रहने वाले दोपहिया वाहनों के कारण तो ऑटो रिक्शा तक के निकलने की जगह नहीं बचती है। ऐसे में शाम को वाहन उलझते रहते हैं। पूजा स्थल घाट पर बैठकर कुछ लोग शराब का सेवन करते हैं जहां माता बहने पूजा करती है वहीं पर ही ये लोग शराब पी कर खुले में ही पेशाब करते हैं,वही स्थित अंडे की दुकान है जिसके द्वारा गंदगी की जा रही है।

आम्बुआ के भगोरिया में जमकर थिरके आदिवासी विकास परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष महेश पटेल

महेश पटेल के नेतृत्व में अम्बुआ में निकला ग़ैर

अलीराजपुर- आम्बुआ के भगोरिया हाट में आदिवासी विकास परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष महेश पटेल ने ढोल,मंदल के साथ सैकड़ो ग्रामीणजन कार्यकर्ताओं के साथ गैर निकल के महेश पटेल ने होली भगोरिया की बधाई दी आम्बुआ में लगे भगोरिया मेले में बड़ी संख्या ग्रामीण पहुंचे। रंग-बिरंगी वेशभूषा, हाथ में बांसुरी, ढोल-मांदल के साथ झूलों का भरपूर आनंद लिया।आदिवासी विकास परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष महेश पटेल द्वारा निकाली गई गेर में कार्यकर्ताओं का उत्साह उमंग का सैलाब देखा गया जहाँ महेश पटेल को कंधे पे बैठा के नचाया महेश पटेल कार्यकर्ताओं को साफा बांधते भी नजर आए ग़ैर के दौरान कांग्रेस जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश राठौर,युवा नेता महेंद्र सिंह रावत ,अमान पठान,अंबुआ सरपंच रमेश भाई रावत,नारायण भाई अड़वाड़ा,मुस्तफा भाई बोहरा ,विजय रावत,ब्रजेश खण्डेलवाल,सोनू वर्मा, मनीष चौहान,राकेश चौहान, सिराज पठान,भुरू भाई, रमेश भाई उंडवा सहित ग्रामीण जन कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं कसरावद विधायक सचिन यादव ने विधानसभा में पूछे प्रश्न

सत्राटी में कृषि महाविद्यालय प्रारंभ करने की मॉग की

सरवर देवला में पुल निर्माण को किया जाए शीघ्र पूरा

खरगोन मप्र सरकार में पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं कसरावद विधायक सचिन यादव ने मंगलवार 11 मार्च को विधान सभा में पूछे गये प्रश्नों में वेदा नदी पर पुल निर्माण के संबंध में प्रश्न उठाया जिसके संबंध में कसरावद लोहारी रोड से सेल्दा प्लान्ट मार्ग पर ग्राम सरवर देवला में वेदा नदी पर निर्माणाधीन पुल का कार्य अनुबंध अनुसार 1 अगस्त 2025 तक पूर्ण होना है । उल्लेखनीय है कि उक्त पुल निर्माण का कार्य 2018 में स्वीकृत किया गया था । वर्तमान में पुल की भौतिक प्रगति 40 प्रतिशत है । पुल निर्माण में धीमी प्रगति होने के चलते अनुबंध को निरस्त कर दिया गया और शेष कार्य की निविदा स्वीकृति के उपरांत पुनः कार्यादेश जारी किया गया है । इसके साथ ही विधायक यादव द्वारा खरगोन जिले में फलोद्यान योजनान्तर्गत किसानों के लिए चल रही योजनाओं का ब्यौरा मांगा । जिसमें पंचायत मंत्री द्वारा किसानों के निजी खेतों में फलोद्यान हेतु नंदन फलोद्यान उप योजना के प्रचलन में होने की बात कही । विधायक सचिन यादव द्वारा विधानसभा क्षेत्र कसरावद में नवीन शासकीय कृषि महाविद्यालय प्रारंभ किये जाने हेतु भी प्रश्न किया गया । जिसके जवाब में सदन द्वारा समीपवर्ती जिलों इन्दौर एवं खण्डवा में कृषि महाविद्यालय संचालित होने की बात कही गई है ।

गाजा संघर्ष विराम के अगले चरण के लिए वार्ता शुरू

इस्त्राइल-हमास के मतभेदों के बावजूद सकारात्मक बातचीत की उम्मीद

दोहा । गाजा संघर्ष विराम को लेकर कतर की राजधानी दोहा में मंगलवार को वार्ता का एक नया दौर शुरू हुआ। हमास के वरिष्ठ अधिकारी अब्दुल रहमान शदीद ने कहा कि उनका आंदोलन इन वार्ताओं को सकारात्मक और जिम्मेदारी से ले रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा आंदोलन इन वार्ताओं को जिम्मेदारी से ले रहा है। साथ ही हम इसे सकारात्मक रूप से आगे बढ़ाने की उम्मीद रखते हैं।

बता दें कि संघर्ष विराम को आगे बढ़ाने के लिए इस्त्राइल ने भी अपने वार्ताकारों की टीम भेजी है। हालांकि एक पक्ष ये भी है कि अभी तक इस्त्राइल की ओर से किसी भी प्रकार का बयान नहीं जारी किया गया है इस वार्ता को लेकर।

शदीद ने ट्रंप प्रशासन की जिम्मेदारी पर दिया जोर शदीद ने उम्मीद जताई कि यह वार्ता दूसरे चरण की शुरुआत की दिशा में ठोस प्रगति करेगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका के मध्य पूर्व दूत, स्टीव विटकॉफ, युद्ध विराम समझौते के दूसरे चरण के लिए वार्ता शुरू करने में मदद करेंगे। शदीद ने यह भी कहा कि अमेरिकी प्रशासन को इस्त्राइल सरकार के प्रति अपने समर्थन की जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

नई वार्ता के बीच भी गतिरोध जारी देखा जाए तो गाजा संघर्ष विराम के अगले चरण पर इस्त्राइल और हमास के बीच मतभेद बने हुए हैं। हमास चाहता है कि अगले चरण की वार्ता तुरंत शुरू हो, जबकि इस्त्राइल पहले चरण को और बढ़ाना चाहता है। इतना ही नहीं हमास ने इस्त्राइल पर युद्ध विराम समझौते से मुकरने का आरोप लगाया है। सोमवार को एक बयान में हमास ने कहा कि इस्त्राइल दूसरे चरण को शुरू करने से इंकार कर रहा है, जिससे उसकी टालमटोल करने की मंशा साफ हो रही है।

इस्त्राइल ने रोक दी बिजली आपूर्ति

इस वार्ता के शुरू होने से पहले रविवार को इस्त्राइल ने गाजा के बिजली की आपूर्ति रोक दी, जिसे हमास ने सस्ती और अस्वीकार्य ब्लैकमेल कहा। इस्त्राइल ने गाजा को राहत सामग्री की आपूर्ति भी रोक दी है, जिसके बाद हमास ने कहा कि इससे गाजा में खाद्य कीमतें बढ़ गई हैं और दवाइयों की भारी कमी हो गई है, जिससे मानवीय संकट और बढ़ गया है।

एक नजर पूरे घटना क्रम पर गौरतलब है कि 15 महीनों के भीषण सघर्ष के बाद गाजा में शुरू हुआ संघर्ष विराम का पहला 42 दिन का चरण मार्च की शुरुआत में समाप्त हो चुका है, लेकिन इसके बाद के चरणों पर कोई सहमति नहीं बन पाई थी। गाजा में युद्धविराम का प्रारंभिक चरण 19 जनवरी को शुरू हुआ था, जिसे कतर, मिस्र और संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा मध्यस्थता की गई थी। यह संघर्ष 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा इस्त्राइल पर हमले के बाद शुरू हुआ था।

अमेरिकी शराब पर 150% और कृषि उत्पाद पर 100% टैरिफ

व्हाइट हाउस ने भारत पर लगाया ये आरोप

वाशिंगटन। अमेरिका ने आरोप लगाया है कि भारत की नीतियों के कारण निर्यात को प्रोत्साहित करने में अड़चनें आ सकती हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने टैरिफ की दरों का जिक्र कर कहा कि भारत अमेरिकी शराब पर 150 फीसदी टैरिफ लगाता है। उन्होंने पूछा, 'क्या आपको लगता है कि इससे केंटकी बॉर्बन को भारत में निर्यात करने में मदद मिलेगी? मुझे ऐसा नहीं लगता।'

लेविट ने कहा, 'भारत कृषि उत्पादों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाता है। जापान चावल पर 700 फीसदी टैरिफ लगाता है।' व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में देश की नीतियों का जिक्र करते हुए कहा, 'ट्रंप पारस्परिकता में विश्वास करते हैं और अब समय आ गया है कि हमारे पास एक ऐसा राष्ट्रपति हो जो वास्तव में अमेरिकी व्यवसायों और श्रमिकों के हितों का ध्यान रखे।'

अमेरिका का आरोप- वैश्विकतावादी देश को सालों से लूट रहे हैं

उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से, कनाडा पिछले कई दशकों से हमारे साथ बिल्कुल भी निष्पक्ष व्यवहार नहीं कर रहा है। समय बीतने के साथ टैरिफ बढ़ सकते हैं। बकौल लेविट, 'सालों से, वैश्विकतावादी अमेरिका को लूट रहे हैं। वे अमेरिका से पैसा ले रहे हैं, और हम बस उसमें से कुछ हिस्सा वापस पाने के लिए टैरिफ से जुड़े फैसले कर रहे हैं। हम अपने देश के साथ उचित व्यवहार करने जा रहे हैं।'

ट्रंप निष्पक्ष और संतुलित व्यापार व्यवहार चाहते हैं व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने अमेरिका पर अलग-अलग देशों द्वारा लगाए गए टैरिफ पर दुख जताया। भारत द्वारा अमेरिकी शराब और कृषि उत्पादों पर लगाए गए टैरिफ का उल्लेख करते हुए मंगलवार (स्थानीय समय) को एक प्रेस ब्रीफिंग में उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति पारस्परिकता में विश्वास करते हैं और सभी देशों के साथ निष्पक्ष और संतुलित व्यापार व्यवहार चाहते हैं।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति बनने के बाद पहली बार भारत आ रहे हैं जेडी वेंस, भारतवंशी पत्नी उषा भी साथ

नई दिल्ली । अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस इस महीने के अंत में अपनी पत्नी सेकेंड लेडी उषा वेंस के साथ भारत यात्रा पर जाएंगे। सूत्रों ने उनकी भारत यात्रा की जानकारी दी है। उपराष्ट्रपति चुने जाने के बाद वेंस का यह दूसरा विदेशी दौरा होगा। इससे पहले वह पिछले महीने फ्रांस और जर्मनी की यात्रा पर गए थे। आपको बता दें कि उनकी पत्नी उषा वेंस के माता-पिता भारत से अमेरिका गए थे। उषा वेंस सेकेंड लेडी बनने के बाद पहली बार भारत आ रही हैं।

उपराष्ट्रपति बनने के बाद वेंस का पहली बार पिछले महीने म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में भाग लेने के लिए पहुंचे थे। वहां उन्होंने यूरोपीय सरकारों पर तीखा हमला करते हुए अवैध आप्रवासन के मामले में उनके दृष्टिकोण, धार्मिक स्वतंत्रताओं के प्रति उपेक्षा और चुनावों के उलटने के मामलों को लेकर आलोचना की थी। उनका यह भाषण उनके सहयोगियों को चौंका गया जो रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध समाप्ति के लिए प्रस्तावों की उम्मीद कर रहे थे।

21 जनवरी 2025 को उषा वेंस अपने पति जेडी वेंस के संयुक्त राज्य अमेरिका के 50वें उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के बाद पहली भारतीय-अमेरिकी हिंदू द्वितीय महिला बनीं। इससे पहले पेरिस में एक बैठक के दौरान जेडी वेंस और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चर्चा की थी, जिसमें स्वच्छ और विश्वसनीय परमाणु प्रौद्योगिकी के साथ भारत के ऊर्जा विविधीकरण के लिए अमेरिकी समर्थन शामिल था। बैठक के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और द्वितीय महिला उषा वेंस ने साथ कॉफी पी थी। व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा कि पीएम मोदी ने वेंस के बच्चों को उपहार भी दिए और उनके बेटे विवेक को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

वेंस की भारत यात्रा के मायने?

हाल के वर्षों में भारत और अमेरिका के संबंध मजबूत हुए हैं। व्यापार और रक्षा के क्षेत्र में दोनों देशों ने कई समझौते किए हैं। दोनों देश सुरक्षा से लेकर तकनीक तक के अहम मुद्दों पर एक-दूसरे के साथ मिल रहे हैं। उषा वेंस की भारतीय विरासत को देखते हुए वेंस की यात्रा कूटनीतिक महत्व और व्यक्तिगत महत्व दोनों रखती है।

डोनाल्ड ट्रंप ने खरीदी एलन मस्क की टेस्ला कार लेकिन चला नहीं पाएंगे अमेरिकी राष्ट्रपति

नई दिल्ली । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में एक शानदार लाल टेस्ला मॉडल को खूबसूरत करार देते हुए खरीद लिया है। इस मौके पर उनके साथ टेस्ला के सीईओ और प्रशासन के सलाहकार एलन मस्क मौजूद थे। ट्रंप ने एलन मस्क को देशभक्त कहकर संबोधित किया। यह आयोजन व्हाइट हाउस के साउथ लॉन पर हुआ, जहां टेस्ला की पांच कारों को लाया गया था, जिसने इस ऐतिहासिक स्थल को एक अस्थायी शोरूम में बदल दिया।

ट्रंप ने टेस्ला की इस लाल कार की तारीफ करते हुए कहा, यह सबसे खूबसूरत वाहनों में से एक है। मैं इसे अपने व्यक्तिगत पैसों से खरीद रहा हूं ताकि एलन और उनकी महान कंपनी को मेरा समर्थन दिखा सकूं। इस लग्जरी कार की कीमत लगभग 76,880 डॉलर (करीब 67 लाख रुपये) बताई जा रही है। हालांकि ट्रंप ने कहा कि वे इस कार को खुद नहीं चला पाएंगे क्योंकि सुरक्षा प्रोटोकॉल के चलते उन्हें ऐसा करने की इजाजत नहीं है। राष्ट्रपति ने कहा कि इसे व्हाइट हाउस स्टाफ के इस्तेमाल के लिए रखा जाएगा। इस दौरान मस्क ने हंसते हुए कहा, राष्ट्रपति का क्रेडिट स्कोर अच्छा है, मुझे भरोसा है कि चेक क्लियर हो जाएगा।

ट्रंप ने यह कार ऐसे समय में खरीदी है जब टेस्ला को हाल के दिनों में भारी आलोचना और आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। कंपनी के शेयरों में सोमवार को 15% की गिरावट देखी गई थी, हालांकि मंगलवार को इसमें मामूली सुधार हुआ। मस्क इस समय ट्रंप प्रशासन में सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख भी हैं। उन्होंने इस मौके पर कहा कि टेस्ला अमेरिका में अपने वाहन उत्पादन को दोगुना करने की योजना बना रही है। ट्रंप ने मस्क की तारीफ करते हुए कहा, एलन एक सच्चे देशभक्त हैं। उन्होंने टेस्ला जैसी शानदार कंपनी बनाई, और इसे नुकसान पहुंचाने वालों को शर्म आनी चाहिए।

साइबरट्रक की डिजाइन की प्रशंसा ट्रंप ने इस मौके पर टेस्ला के वाहनों को खूबसूरत करार दिया और खास तौर पर कंपनी के साइबरट्रक की डिजाइन की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, जैसे ही मैंने इसे देखा, मैंने कहा कि यह सबसे शानदार डिजाइन है। टेस्ला सुविधाओं पर शांतिपूर्ण प्रदर्शनों और तोड़फोड़ की घटनाएं भी बढ़ी हैं, जिसमें चार्जिंग स्टेशनों पर आगजनी शामिल है। ट्रंप ने इन घटनाओं की निंदा करते हुए कहा, वे एक महान अमेरिकी कंपनी को नुकसान पहुंचा रहे हैं। मस्क ने यह शानदार कंपनी बनाई है, और उन्हें देशभक्त होने की सजा नहीं मिलनी चाहिए।

बेटे के साथ मौजूद थे एलन मस्क

बता दें कि व्हाइट हाउस में कारों के इस आयोजन को मस्क के स्वामित्व वाली सोशल मीडिया साइट ङ्क पर लाइवस्ट्रीम किया गया, जिसे व्हाइट हाउस के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ डैन स्कैविनो ने संचालित किया। मस्क अपने बेटे के साथ मौजूद थे, जिसने इस घटना को एक पारिवारिक और राजनीतिक मेल का रंग दिया। हालांकि, इस कदम ने नैतिकता और हितों के टकराव को लेकर सवाल भी खड़े किए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि किसी राष्ट्रपति द्वारा एक निजी कंपनी के उत्पाद को इतने खुले तौर पर समर्थन देना पहले कम ही देखा गया है। ट्रंप और मस्क का यह गठजोड़ 2024 के चुनाव में मस्क के 300 मिलियन डॉलर के समर्थन के बाद और मजबूत हुआ है।

फलस्तीन समर्थकों की पहचान उजागर नहीं कर रहा कोलंबिया यूनियवर्टी, व्हाइट हाउस ने बनाया दबाव

न्यूयॉर्क। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को कहा कि कोलंबिया विश्वविद्यालय संघीय एजेंटों को उन लोगों की पहचान करने में मदद नहीं कर रहा है, जो फलस्तीन के समर्थन में प्रदर्शनों में शामिल हुए हैं। प्रशासन ने स्कूल को दंडित करने के लिए संघीय अनुसंधान फंडिंग में कटौती करना जारी रखा है।

आव्रजन प्रवर्तन एजेंटों ने शनिवार को महमूद खलील नामक एक फलस्तीनी कार्यकर्ता को गिरफ्तार किया है। वह एक वैध अमेरिकी निवासी है और पिछले साल कोलंबिया में प्रदर्शनों में एक प्रमुख भूमिका निभाई थी। अब उसे निर्वासन का सामना करना पड़ रहा है।

प्रदर्शनकारियों की पहचान के लिए खुफिया जानकारी जुटा रहे व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने इस संबंध में वाशिंगटन में प्रेस ब्रीफिंग की। लेविट ने कहा कि संघीय अधिकारी इस्त्राइल की आलोचना करने वाले प्रदर्शनों में शामिल लोगों की पहचान करने के लिए खुफिया जानकारी का उपयोग कर रहे हैं। ट्रंप प्रशासन ऐसे लोगों को यहूदी विरोधी और 'हमास समर्थक' मानता है।

मदद करने से इनकार कर रहा कोलंबिया विश्वविद्यालय- लेविट लेविट ने कहा कि कोलंबिया विश्वविद्यालय को प्रदर्शनों में शामिल लोगों की पहचान के लिए नाम दिए गए थे। हालांकि, वह 'कैंपस में उन व्यक्तियों की पहचान करने' के लिए होमलैंड सुरक्षा विभाग की मदद करने से इनकार कर रहा है। लेविट ने कहा, 'जैसा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने बयान में बहुत दृढ़ता से कहा था, वह इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे।' कोलंबिया के प्रवक्ता ने टिप्पणी के लिए भेजे गए संदेश का तुरंत जवाब नहीं दिया।

विश्वविद्यालय पर यहूदी विरोधी भावना को रोकने में असफल रहने का आरोप ट्रंप प्रशासन ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि कोलंबिया विश्वविद्यालय से 400 मिलियन डॉलर के अनुदान और अनुबंध वापस ले लिए हैं, यह आरोप लगाते हुए कि विश्वविद्यालय परिसर में यहूदी विरोधी भावना को रोकने में असफल रहा है। इन कटौतियों में नेशल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ ने सोमवार देर रात 250 मिलियन डॉलर से अधिक के वित्तपोषण में कटौती की।

पिछले साल छात्रों ने बड़े पैमाने पर किया विरोध प्रदर्शन बता दें कि पिछले साल छात्रों ने गाजा में इस्त्राइली सैन्य कार्रवाई को समाप्त करने और फलस्तीनियों के मानवाधिकारों को मान्यता देने के लिए बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किए थे, जिससे विश्वविद्यालय में हड़कंप मच गया था। विश्वविद्यालय को बाद में प्रदर्शनों को खत्म करने के लिए पुलिस का सहारा लेना पड़ा।

प्रदर्शनकारियों का प्रवक्ता था खलील 30 वर्षीय खलील प्रदर्शनकारियों का प्रवक्ता था। उस पर किसी भी अपराध का आरोप नहीं लगाया गया। हालांकि, कैरोलिन लेविट ने कहा कि हालात की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने खलील के खिलाफ आव्रजन और राष्ट्रीयता अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है।

सरकार अवैध तरीके से आव्रजन शक्तियों का इस्तेमाल कर रही - वकील वहीं, सिविल राइट्स समूहों और खलील के वकीलों का कहना है कि सरकार उसे बोलने से रोकने के लिए अवैध तरीके से अपनी आव्रजन शक्तियों का इस्तेमाल कर रही है। एक संघीय न्यायाधीश ने सुनवाई तय की है और सरकार को खलील को निर्वासित करने से रोकने का आदेश दिया है।

खलील की गिरफ्तारी केवल शुरुआत ट्रंप ने सुझाव दिया है कि कुछ प्रदर्शनकारी हमास का समर्थन करते हैं, जो एक फलस्तीनी आतंकवादी समूह है। उन्होंने कहा कि खलील की गिरफ्तारी केवल शुरुआत है और अन्य छात्रों को भी निर्वासित करने का इरादा है।

टैरिफ को लेकर डोनाल्ड ट्रंप का दावा निकला झूठा

भारत ने कहा- ऐसा तो कोई वादा ही नहीं किया

नई दिल्ली । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बढ़-चढ़कर दावे करने के लिए जाने जाते हैं। पिछले दिनों वाइट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यूक्रेन को यूरोप की फंडिंग को लेकर उन्होंने एक दावा किया था, जिसे उसी दौरान फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने खारिज कर दिया था। तब डोनाल्ड ट्रंप चुप रह गए थे। अब ऐसा ही मौका भारत के साथ भी आया है। उन्होंने भारत को लेकर दावा किया था कि नई दिल्ली से उन्हें भरोसा मिला है कि अमेरिकी उत्पादों के आयात पर टैक्स में कमी कर दी जाएगी। अब उनके इस दावे को भारत ने खारिज कर दिया है। वाणिज्य सचिव सुनील बरथवाल ने संसदीय पैनल को बताया है कि ऐसी कोई भी प्रतिबद्धता अमेरिका के आगे जाहिर नहीं की गई है।

उन्होंने कहा कि टैरिफ में कटौती जैसा कोई वादा भारत ने अमेरिका से नहीं किया है। विदेश मामलों की संसदीय समिति के समक्ष वाणिज्य सचिव ने बताया कि भारत और अमेरिका के बीच अब भी वार्ता जारी है। फिलहाल किसी भी तरह का ट्रेड अग्रीमेंट फाइनल नहीं हुआ है। संसदीय समिति के कई सदस्यों ने अमेरिकी राष्ट्रपति के दावे को लेकर चिंता जाहिर की थी। इस पर बरथवाल ने जवाब देते हुए कहा, 'अमेरिकी राष्ट्रपति के दावों और मीडिया रिपोर्ट्स के आधार पर ही कुछ नहीं कहा जा सकता। फिलहाल दोनों देशों के बीच ट्रेड अग्रीमेंट को लेकर वार्ता जारी है। भारत ने अब तक अमेरिका के साथ ट्रेड टैरिफ में कटौती की कोई प्रतिबद्धता जाहिर नहीं की है।'

वाणिज्य सचिव ने यह भी कहा कि अमेरिका के साथ समझौतों में भारतीय हितों का संरक्षण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत फ्री ट्रेड का पक्षधर है और उदारता की नीति अपनाता है। हमारी कोशिश है कि दोनों देशों के बीच कारोबार में इजाफा हो। भारतीय अधिकारी ने कहा कि हम फ्री ट्रेड की बात करते हैं, लेकिन यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि ट्रेड वार से किसी के भी हितों का संरक्षण नहीं हो सकेगा। इससे मंदी की आहट जरूर आ सकती है। बरथवाल ने ससंदीय समिति को बताया, 'भारत मनमाने तरीके से टैरिफ में कोई कटौती नहीं करेगा। खासतौर पर ऐसे उद्योगों में जो घरेलू अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं। भारत टैरिफ में कटौती के लिए द्विपक्षीय वार्ता को तरजीह देता है और यह भी ध्यान रखता है कि राष्ट्रीय हितों से समझौता न किया जाए।'

कनाडा और मेक्सिको से तुलना पर भी भारत ने दिया जवाब

कनाडा और मेक्सिको के साथ भारत की तुलना को भी उन्होंने खारिज किया। बरथवाल ने कहा कि कनाडा और मेक्सिको के साथ तो अमेरिका का अवैध प्रवासी, घुसपैठ और सुरक्षा के मामले पर भी मतभेद है। लेकिन भारत का मामला अलग है। हम अमेरिका के साथ वही समझौता करेंगे, जो दोनों के लिए हितकारी हो। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप लगातार दूसरे देशों से आने वाले सामान पर टैरिफ में इजाफे के ऐलान कर रहे हैं। इससे दुनिया भर के बाजारों को नुकसान पहुंच रहा है। डाउ जोंस, वॉल स्ट्रीट से लेकर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज तक में लगातार बिकवाली का माहौल बना हुआ है। खबर है कि भारत ने अमेरिका के साथ समझौते के लिए सितंबर 2025 तक का वक्त मांगा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0 ।31-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569